# Destined to Bawaar-Perdition..

# ﺑﻮﺍﺭپోగాలము దాపురించినవాడు కనడూ, వినడూ మార్కొనడూ,

## Contents-Muhtawiyaat-⋘◉◉◉

◉◉◉⋙ Destined to Bawaar-Perdition..
بوارపోగాలము దాపురించినవాడు కనడూ,వినడూ
మార్కొనడూ,

◉◉◉⋙ FirAuon-Pharoah-ఫిర్ఔను-లాంటి
+++GBల-మనుసులు-

◉◉◉⋙ Tyrants/Exploiters/Oppressors
Keratitic Dominiques-కెరటక-యెదవలూ+డెమనీక
నసారాలూ-+పెంటపెండవుచ్ఛు-జాలిములు-

◉◉◉⋙ Stories of the Ancients...పాతకతలు
Be....fitting finale....సంబరాలు గీడనే-ముందున్నది
ముసల్ల పండగ

Hud (11:101)
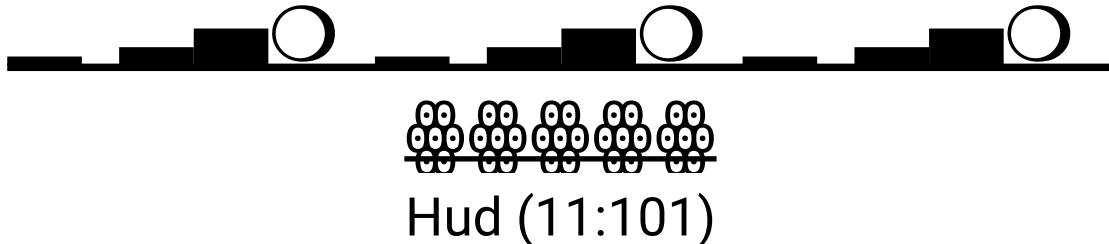
بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَا ظَلَمْنَٰهُمْ وَلَٰكِن ظَلَمُوٓا۟ أَنفُسَهُمْ فَمَآ أَغْنَتْ عَنْهُمْ ءَالِهَتُهُمُ ٱلَّتِى يَدْعُونَ مِن دُونِ ٱللَّهِ مِن شَىْءٍ لَّمَّا جَآءَ أَمْرُ رَبِّكَ وَمَا زَادُوهُمْ غَيْرَ تَتْبِيبٍ

Weالله ﷻ wronged them not, but they wronged themselves. So their aliha (gods), other than Allahﷻ, whom they invoked, profited them naught when there came the Command of your Lord, nor did they add aught (to their lot) but destruction.

আমিالله ﷻ কিন্তু তাদের প্রতি জুলুম করি নাই বরং তারা নিজেরাই নিজের উপর অবিচার করেছে। ফলে আল্লাহকে বাদ দিয়ে তারা যেসব মাবুদকে ডাকতো আপনার পালনকর্তার হুকুম যখন এসে পড়ল, তখন কেউ কোন কাজে আসল না। তারা শুধু বিপর্যয়ই বৃদ্ধি করল।

हमﷲﷻने उनपर अत्याचार नहीं किया, बल्कि उन्होंने स्वयं अपने आप पर अत्याचार किया। फिर जब तेरे रब का आदेश आ गया तो उसके वे पूज्य, जिन्हें वे अल्लाह से हटकर पुकारा करते थे, उनके कुछ भी काम न आ सके। उन्होंने विनाश के अतिरिक्त उनके लिए किसी और चीज़ में अभिवृद्धि नहीं की

و ستم نکردیم بر ایشان و لیکن ستم کردند خویش را پس بی‌نیاز نکرد از ایشان خدایانشان که می‌خواندند جز خدا به چیزی گاهی که بیامد امر پروردگار تو و نیفزودشان جز تباهی
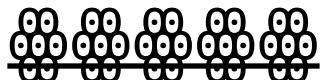
Hud (11:102)

وَكَذَٰلِكَ أَخْذُ رَبِّكَ إِذَآ أَخَذَ ٱلْقُرَىٰ وَهِىَ ظَٰلِمَةٌ إِنَّ أَخْذَهُۥٓ أَلِيمٌ شَدِيدٌ

Such is the Seizure of your Lordﷲﷻ when He seizes the (population of) towns while they are

doing wrong. Verily, His Seizure is painful, and severe.

আর তোমারﷲﷻ ~~পরওয়ারদেগার~~ যখন কোন পাপপূর্ণ জনপদকে ধরেন, তখন এমনিভাবেই ধরে থাকেন। নিশ্চয় তাঁর পাকড়াও খুবই মারাত্নক, বড়ই কঠোর।

तेरे रबﷲﷻ की पकड़ ऐसी ही होती है, जब वह किसी ज़ालिम बस्ती को पकड़ता है। निस्संदेह उसकी पकड़ बड़ी दुखद, अत्यन्त कठोर होती है

و بدینسان گرفتن پروردگار تو گاهی که گرفت شهرها را حالی که ستمکار بودند همانا گرفتن او است دردناک سخت

Hud (11:103)

إِنَّ فِى ذَٰلِكَ لَءَايَةً لِّمَنْ خَافَ عَذَابَ

ٱلْءَاخِرَةِ ذَٰلِكَ يَوْمٌ مَّجْمُوعٌ لَّهُ ٱلنَّاسُ وَذَٰلِكَ

يَوْمٌ مَّشْهُودٌ

Indeed in that (there) is a sure lesson for those who fear the torment of the Hereafter. That is a Day whereon mankind will be gathered together, and that is a Day when all (the dwellers of the heavens and the earth) will be present.

নিশ্চয় ইহার মধ্যে নিদর্শন রয়েছে এমন প্রতিটি মানুষের জন্য যে আখেরাতের আযাবকে ভয় করে। উহা এমন একদিন, যে দিন সব মানুষেই সমবেত হবে, সেদিনটি যে হাযিরের দিন।

निश्चय ही इसमें उस व्यक्ति के लिए एक निशानी है जो आख़िरत की यातना से डरता हो। वह एक ऐसा दिन होगा, जिसमें सारे ही लोग एकत्र किए जाएँगे और वह एक ऐसा दिन होगा, जिसमें सब कुछ आँखों के सामने होगा,

همانا در این است آیتی برای آن که بترسد عذاب

آخرت را این است روزی که گردآورده شود برای آن مردم و این است روزی گواهی شده

Hud (11:103)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِنَّ فِي ذَٰلِكَ لَءَايَةً لِّمَنْ خَافَ عَذَابَ ٱلْءَاخِرَةِ ذَٰلِكَ يَوْمٌ مَّجْمُوعٌ لَّهُ ٱلنَّاسُ وَذَٰلِكَ يَوْمٌ مَّشْهُودٌ

Indeed in that (there) is a sure lesson for those who fear the torment of the Hereafter. That is a Day whereon mankind will be gathered together, and that is a Day when all (the dwellers of the heavens and the earth) will be present.

নিশ্চয় ইহার মধ্যে নিদর্শন রয়েছে এমন প্রতিটি মানুষের জন্য যে আখেরাতের আযাবকে ভয় করে। উহা এমন একদিন, যে দিন সব মানুষেই

সমবেত হবে, সেদিনটি যে হাযিরের দিন।

निश्चय ही इसमें उस व्यक्ति के लिए एक निशानी है जो आख़िरत की यातना से डरता हो। वह एक ऐसा दिन होगा, जिसमें सारे ही लोग एकत्र किए जाएँगे और वह एक ऐसा दिन होगा, जिसमें सब कुछ आँखों के सामने होगा,

همانا در این است آیتی برای آن که بترسد عذاب آخرت را این است روزی که گردآورده شود برای آن مردم و این است روزی گواهی شده

Hud (11:105)

يَوْمَ يَأْتِ لَا تَكَلَّمُ نَفْسٌ إِلَّا بِإِذْنِهِۦ فَمِنْهُمْ شَقِىٌّ وَسَعِيدٌ

On the Day when it comes, no person shall speak except by His (Allahﷻ's) Leave. Some among them will be wretched and (others)

blessed.

যেদিন তা আসবে সেদিন আল্লাহﷻর অনুমতি ছাড়া কেউ কোন কথা বলতে পারে না। অতঃপর কিছু লোক হবে হতভাগ্য আর কিছু লোক সৌভাগ্যবান।

जिस दिन वह आएगा, तो उसاللهﷻकी अनुमति के बिना कोई व्यक्ति बात तक न कर सकेगा। फिर (मानवों में) कोई तो उनमें अभागा होगा और कोई भाग्यशाली

روزی که آید سخن نگوید کسی جز به رخصت او
پس از ایشان است بدبخت و نیکبخت

Hud (11:106)

فَأَمَّا ٱلَّذِينَ شَقُوا۟ فَفِى ٱلنَّارِ لَهُمْ فِيهَا زَفِيرٌ وَشَهِيقٌ

As for those who are wretched, they will be in the Fire, sighing in a high and low tone.

অতএব যারা হতভাগ্য তারা দোযখে যাবে, সেখানে তারা আর্তনাদ ও চিৎকার করতে থাকবে।

तो जो अभागे होंगे, वे आग में होंगे; जहाँ उन्हें आर्तनाद करना और फुँकार मारना है

پس آنان که بدبخت شدند در آتش ايشان را است در آن آه و ناله (آهی که برآيد و فرو رود)

Hud (11:107)

خَٰلِدِينَ فِيهَا مَا دَامَتِ ٱلسَّمَٰوَٰتُ وَٱلْأَرْضُ إِلَّا مَا شَآءَ رَبُّكَ إِنَّ رَبَّكَ فَعَّالٌ لِّمَا يُرِيدُ

They will dwell therein for all the time that the heavens and the earth endure, except as your Lord wills. Verily, your Lordﷻ is the doer of

what He wills.

তারা সেখানে চিরকাল থাকবে, যতদিন আসমান ও যমীন বর্তমান থাকবে। তবে তোমার ﷲﷻ প্রতিপালক অন্য কিছু ইচ্ছা করলে ভিন্ন কথা। নিশ্চয় তোমার পরওয়ারদেগার যা ইচ্ছা করতে পারেন।

वहाँ वे सदैव रहेंगे, जब तक आकाश और धरती स्थिर रहें, बात यह है कि तुम्हारे रबﷲﷻ की इच्छा ही चलेगी। तुम्हारा रब जो चाहे करे

جاودانند در آن مادامی که آسمانها است و زمین جز آنچه خواهد پروردگار تو که پروردگار تو کننده است آنچه را خواهد
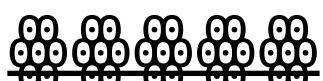
Hud (11:108)

وَأَمَّا ٱلَّذِينَ سُعِدُوا۟ فَفِى ٱلْجَنَّةِ خَٰلِدِينَ فِيهَا مَا دَامَتِ ٱلسَّمَٰوَٰتُ وَٱلْأَرْضُ إِلَّا مَا شَآءَ رَبُّكَ

عَطَآءً غَيْرَ مَجْذُوذٍ

And those who are blessed, they will be in Paradise, abiding therein for all the time that the heavens and the earth endure, except as your Lord will, a gift without an end.

আর যারা সৌভাগ্যবান তারা বেহেশতের মাঝে, সেখানেই চিরদিন থাকবে, যতদিন আসমান ও যমীন বর্তমান থাকবে। তবে তোমার প্রভু অন্য কিছু ইচ্ছা করলে ভিন্ন কথা। এ দানের ধারাবাহিকতা কখনো ছিন্ন হওয়ার নয়।

रहे वे जो भाग्यशाली होंगे तो वे जन्नत में होंगे, जहाँ वे सदैव रहेंगे जब तक आकाश और धरती स्थिर रहें। बात यह है कि तुम्हारे रब की इच्छा ही चलेगी। यह एक ऐसा उपहार है, जिसका सिलसिला कभी न टूटेगा

و اما آنان که نیکبخت شدند پس در بهشت جاودانند در آن مادامی که آسمانها و زمین است جز آنچه خواهد پروردگار تو بخششی نابریده یا بیکران
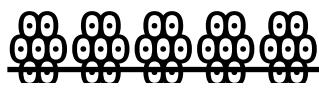
Hud (11:109)

فَلَا تَكُ فِى مِرْيَةٍ مِّمَّا يَعْبُدُ هَٰٓؤُلَآءِ مَا
يَعْبُدُونَ إِلَّا كَمَا يَعْبُدُ ءَابَآؤُهُم مِّن قَبْلُ وَإِنَّا
لَمُوَفُّوهُمْ نَصِيبَهُمْ غَيْرَ مَنقُوصٍ

So be not in doubt (O Muhammad SAW) as to what these (pagans and polytheists) men worship. They worship nothing but what their fathers worshipped before (them). And verily, Weالله ﷻ shall repay them in full their portion without diminution.

অতএব, তারা যেসবের উপাসনা করে তুমি সে ব্যাপারে কোনরূপ ধোঁকায় পড়বে না। তাদের পূর্ববর্তী বাপ-দাদারা যেমন পূজা উপাসনা করত, এরাও তেমন করছে। আর নিশ্চয় আমিﷻ তাদেরকে আযাবের ভাগ কিছু মাত্রও কম না

করেই পুরোপুরি দান করবো।

अतः जिनको ये पूज रहे है, उनके विषय में तुझे कोई संदेह न हो। ये तो बस उसी तरह पूजा किए जा रहे है, जिस तरह इससे पहले इनके बाप-दादा पूजा करते रहे हैं। हमﷻ तो इन्हें इनका हिस्सा बिना किसी कमी के पूरा-पूरा देनेवाले हैं

پس نباش در تردیدی از آنچه می‌پرستند اینان نمی‌پرستند مگر چنانکه پرستیدند پدران ایشان از پیش و همانا پردازنده‌ایم بدیشان بهره ایشان را ناکاسته

Hud (11:110)

وَلَقَدْ ءَاتَيْنَا مُوسَى ٱلْكِتَٰبَ فَٱخْتُلِفَ فِيهِ

وَلَوْلَا كَلِمَةٌ سَبَقَتْ مِن رَّبِّكَ لَقُضِيَ بَيْنَهُمْ

وَإِنَّهُمْ لَفِى شَكٍّ مِّنْهُ مُرِيبٍ

Indeed, Weﷲﷻ gave the Book to Musa (Moses), but differences arose therein, and had it not been for a Word that had gone forth before from your Lord, the case would have been judged between them, and indeed they are in grave doubt concerning it (this Quran).

আর আমিﷲﷻ মূসা (আঃ)-কে অবশ্যই কিতাব দিয়েছিলাম অতঃপর তাতে বিরোধ সৃষ্টি হল; বলাবাহুল্য তোমার পালনকর্তার পক্ষ হতে, একটি কথা যদি আগেই বলা না হত, তাহলে তাদের মধ্যে চুড়ান্ত ফয়সালা হয়ে যেত তারা এ ব্যাপারে এমনই সন্দেহ প্রবণ যে, কিছুতেই নিশ্চিত হতে পারছে না।

हमﷲﷻ मूसा को भी किताब दे चुके है। फिर उसमें भी विभेद किया गया था। यदि तुम्हारे रब की ओर से एक बात पहले ही निश्चित न कर दी गई होती तो उनके बीच कभी का फ़ैसला कर दिया गया होता। ये उसकी ओर से असमंजस में डाल देनेवाले संदेह में पड़े हुए है

و همانا دادیم به موسی کتاب را پس اختلاف شد در آن و اگر نبود سخنی که پیش گرفته است از پروردگار تو هر آینه قضاوت می‌شد میان ایشان و همانا ایشانند در شکی از آن به ریب افکننده
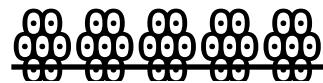
Hud (11:111)

وَإِنَّ كُلًّا لَّمَّا لَيُوَفِّيَنَّهُمْ رَبُّكَ أَعْمَٰلَهُمْ إِنَّهُۥ بِمَا يَعْمَلُونَ خَبِيرٌ

And verily, to each of them your Lordﷻ will repay their works in full. Surely, Heﷻ is All-Aware of what they do.

আর যত লোকই হোক না কেন, যখন সময় হবে, তোমার প্রভুﷻ তাদের সকলেরই আমলের প্রতিদান পুরোপুরি দান করবেন। নিশ্চয় তিনি তাদের যাবতীয় কার্যকলাপের খবর রাখেন।

निश्चय ही समय आने पर एक-एक को, जितने भी है

उनको तुम्हारा रबﷲﷺ उनका किया पूरा-पूरा देकर रहेगा। वे जो कुछ कर रहे हैं, निस्संदेह उसे उसकी पूरी ख़बर है

و هر کدام را هر آینه بپردازد بدیشان پروردگار تو کردارهای ایشان را همانا او است بدانچه می‌کنند آگاه

꧁꧁꧁꧁꧁
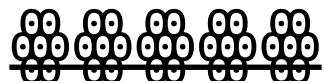
Hud (11:112)

فَٱسْتَقِمْ كَمَآ أُمِرْتَ وَمَن تَابَ مَعَكَ وَلَا تَطْغَوْا۟ ۚ إِنَّهُۥ بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ

So stand (ask Allah ﷻto make) you (Muhammad SAW) firm and straight (on the religion of Islamic Monotheism) as you are commanded and those (your companions) who turn in repentance (unto Allahﷻ) with you, and transgress not (Allah'ﷻs legal limits). Verily, Heﷲﷻ is All-Seer of what you do.

অতএব, তুমি এবং তোমার সাথে যারা তওবা করেছে সবাই সোজা পথে চলে যাও-যেমন তোমায় হুকুম দেয়া হয়েছে এবং সীমা লঙ্ঘন করবে না, তোমরা যা কিছু করছ, নিশ্চয় তিনিﷲﷻ তার প্রতি দৃষ্টি রাখেন।

अतः जैसा तुम्हें आदेश हुआ है, जमें रहो और तुम्हारे साथ के तौबा करनेवाले भी जमें रहें, और सीमोल्लंघन न करना। जो कुछ भी तुम करते हो, निश्चय ही वहﷲﷻ उसे देख रहा है

پس پایدار باش چنانکه مأمور شدی و آنان که توبه کردند با تو و سرکشی نکنید که او بدانچه می‌کنید بینا است

Al-A'raaf (7:9)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَنْ خَفَّتْ مَوَٰزِينُهُۥ فَأُو۟لَٰٓئِكَ ٱلَّذِينَ خَسِرُوٓا۟ أَنفُسَهُم بِمَا كَانُوا۟ بِـَٔايَٰتِنَا يَظْلِمُونَ

And as for those whose scale will be light, they are those who will lose their ownselves (by entering Hell) because they denied and rejected Our Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.).

এবং যাদের পাল্লা হাল্কা হবে, তারাই এমন হবে, যারা নিজেদের ক্ষতি করেছে। কেননা, তারা আমার আয়াত সমূহ অস্বীকার করতো।

और वे लोग जिनके कर्म वज़न में हलके होंगे, तो वही वे लोग हैं, जिन्होंने अपने आपको घाटे में डाला, क्योंकि वे हमारी आयतों का इनकार और अपने ऊपर अत्याचार करते रहे

و آنکه سبک گردد ترازوهایش آنانند که زیان کردند خویشتن را بدانچه بودند به آیتهای ما ستم می‌کردند

Al-A'raaf (7:10)

وَلَقَدْ مَكَّنَّٰكُمْ فِى ٱلْأَرْضِ وَجَعَلْنَا لَكُمْ فِيهَا مَعَٰيِشَ قَلِيلًا مَّا تَشْكُرُونَ

And surely, We gave you authority on the earth and appointed for you therein provisions (for your life). Little thanks do you give.

আমি তোমাদেরকে পৃথিবীতে ঠাই দিয়েছি এবং তোমাদের জীবিকা নির্দিষ্ট করে দিয়েছি। তোমরা অল্পই কৃতজ্ঞতা স্বীকার কর।

और हमने धरती में तुम्हें अधिकार दिया और उसमें तुम्हारे लिए जीवन-सामग्री रखी। तुम कृतज्ञता थोड़े ही दिखाते हो

همانا جایگزین ساختیم شما را در زمین و نهادیم در آن روزیهائی برای شما چه کم شکرگزارید

Al-Kahf (18:52)

وَيَوْمَ يَقُولُ نَادُوا۟ شُرَكَآءِىَ ٱلَّذِينَ زَعَمْتُمْ فَدَعَوْهُمْ فَلَمْ يَسْتَجِيبُوا۟ لَهُمْ وَجَعَلْنَا بَيْنَهُم مَّوْبِقًا

And (remember) the Day He will say:"Call those (so-called) partners of Mine whom you pretended." Then they will cry unto them, but they will not answer them, and Weﷲﷻ shall put Maubiqa (a barrier, or enmity, or destruction, or a valley in Hell) between them.

যেদিন তিনি বলবেনঃ তোমরা যাদেরকে আমার শরীক মনে করতে তাদেরকে ডাক। তারা তখন তাদেরকে ডাকবে, কিন্তু তারা এ আহবানে সাড়া দেবে না। আমিﷻ তাদের মধ্যস্থলে রেখে দেব একটি মৃত্যু গহবর।

याद करो जिस दिन वह कहेगा, "बुलाओ मेरे साझीदारों को, जिनके साझीदार होने का तुम्हें दावा था।" तो वे उनको पुकारेंगे, किन्तु वे उन्हें कोई उत्तर न देंगे और

हम ﷻ उनके बीच सामूहिक विनाश-स्थल निर्धारित कर देंगे

و روزی که گوید بخوانید شریکانم را آنان که می‌پنداشتید پس خواندندشان پس پاسخشان نگفتند و نهادیم میانشان پرتگاهی را
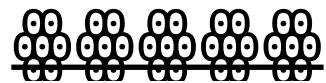
Al-Kahf (18:53)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَرَءَا ٱلْمُجْرِمُونَ ٱلنَّارَ فَظَنُّوٓا۟ أَنَّهُم مُّوَاقِعُوهَا وَلَمْ يَجِدُوا۟ عَنْهَا مَصْرِفًا

And the Mujrimun (criminals, polytheists, sinners), shall see the Fire and apprehend that they have to fall therein. And they will find no way of escape from there.

অপরাধীরা আগুন দেখে বোঝে নেবে যে, তাদেরকে তাতে পতিত হতে হবে এবং তারা তা থেকে রাস্তা পরিবর্তন করতে পারবে না।

अपराधी लोग आग को देखेंगे तो समझ लेंगे कि वे उसमें पड़नेवाले है और उससे बच निकलने की कोई जगह न पाएँगे

و دیدند گنهکاران آتش را پس پنداشتند که افتادگانند در آن و نیافتند از آن کنارگاهی را
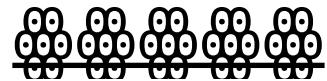
Al-Kahf (18:54)

وَلَقَدْ صَرَّفْنَا فِى هَٰذَا ٱلْقُرْءَانِ لِلنَّاسِ مِن كُلِّ مَثَلٍ وَكَانَ ٱلْإِنسَٰنُ أَكْثَرَ شَىْءٍ جَدَلًا

And indeed Weﷲ ﷻ have put forth every kind of example in this Quran, for mankind. But, man is ever more quarrelsome than anything.

নিশ্চয় আমিﷲ ﷻ এ কোরআনে মানুষকে নানাভাবে বিভিন্ন উপমার দ্বারা আমার বাণী বুঝিয়েছি। মানুষ সব বস্তু থেকে অধিক তর্কপ্রিয়।

हमﷲﷻने लोगों के लिए इस क़ुरआन में हर प्रकार के उत्तम विषयों को तरह-तरह से बयान किया है, किन्तु मनुष्य सबसे बढ़कर झगड़ालू है

و همانا گردانیدیم در این قرآن برای مردم از هر مثَلی و انسان بیشتر از هر چیز است ستیزه‌گری را
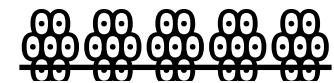
Al-Kahf (18:55)

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

وَمَا مَنَعَ ٱلنَّاسَ أَن يُؤْمِنُوٓا۟ إِذْ جَآءَهُمُ ٱلْهُدَىٰ وَيَسْتَغْفِرُوا۟ رَبَّهُمْ إِلَّآ أَن تَأْتِيَهُمْ سُنَّةُ ٱلْأَوَّلِينَ أَوْ يَأْتِيَهُمُ ٱلْعَذَابُ قُبُلًا

And nothing prevents men from believing, now when the guidance (the Quran) has come to them, and from asking Forgiveness of their Lord,ﷲﷻ except that the ways of the ancients be repeated with them (i.e. their

destruction decreed by Allahﷻ), or the torment be brought to them face to face?

হেদায়েত আসার পর এ প্রতীক্ষাই শুধু মানুষকে বিশ্বাস স্থাপন করতে এবং তাদের اللهﷻ পালনকর্তার কাছে ক্ষমা প্রার্থনা করতে বিরত রাখে যে, কখন আসবে তাদের কাছে পূর্ববর্তীদের রীতিনীতি অথবা কখন আসবে তাদের কাছেআযাব সামনাসামনি।

आख़िर लोगों को, जबकि उनके पास मार्गदर्शन आ गया, तो इस बात से कि वे ईमान लाते और अपने रबاللهﷻ से क्षमा चाहते, इसके सिवा किसी चीज़ ने नहीं रोका कि उनके लिए वही कुछ सामने आए जो पूर्व जनों के सामने आ चुका है, यहाँ तक कि यातना उनके सामने आ खड़ी हो

و بازنداشت مردم را از آنکه ایمان آرند گاهی که بیامدشان هدایت و از آنکه آمرزش خواهند از پروردگار خویش جز آنکه بیایدشان شیوه پیشینیان یا بیایدشان عذاب روی بروی
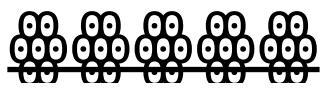
Al-Kahf (18:56)

بسم الله الرحمن الرحيم

وَمَا نُرۡسِلُ ٱلۡمُرۡسَلِينَ إِلَّا مُبَشِّرِينَ وَمُنذِرِينَۚ وَيُجَٰدِلُ ٱلَّذِينَ كَفَرُواْ بِٱلۡبَٰطِلِ لِيُدۡحِضُواْ بِهِ ٱلۡحَقَّۖ وَٱتَّخَذُوٓاْ ءَايَٰتِي وَمَآ أُنذِرُواْ هُزُوٗا

And Weﷲ send not the Messengers except as giver of glad tidings and warners. But those who disbelieve, dispute with false argument, in order to refute the truth thereby. And they treat My Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.), and that with which they are warned, as jest and mockery!

আমিﷲ রাসূলগনকে সুসংবাদ দাতা ও ভয় প্রদর্শন কারীরূপেই প্রেরণ করি এবং কাফেররাই মিথ্যা অবলম্বনে বিতর্ক করে, তা দ্বারা সত্যকে ব্যর্থ করে দেয়ার উদ্দেশে এবং তারা আমার

নিদর্শনাবলীও যদ্বারা তাদেরকে ভয় প্রদর্শন করা হয়, সেগুলোকে ঠাট্টারূপে গ্রহণ করেছে।

रसूलों को हमﷻ केवल शुभ सूचना देनेवाले और सचेतकर्त्ता बनाकर भेजते है। किन्तु इनकार करनेवाले लोग है कि असत्य के सहारे झगड़ते है, ताकि सत्य को डिगा दें। उन्होंने मेरी आयतों का और जो चेतावनी उन्हें दी गई उसका मज़ाक बना दिया है

و نفرستیم پیمبران را مگر بشارت‌دهندگان و ترسانندگان و می‌ستیزند کافران با باطل تا تباه کنند بدان حقّ را و برگرفتند آیتهای مرا و آنچه بیم داده شدند مسخره

Al-Kahf (18:57)

وَمَنْ أَظْلَمُ مِمَّن ذُكِّرَ بِـَٔايَـٰتِ رَبِّهِۦ فَأَعْرَضَ عَنْهَا وَنَسِىَ مَا قَدَّمَتْ يَدَاهُ إِنَّا جَعَلْنَا عَلَىٰ قُلُوبِهِمْ أَكِنَّةً أَن يَفْقَهُوهُ وَفِىٓ ءَاذَانِهِمْ وَقْرًا

وَإِن تَدۡعُهُمۡ إِلَى ٱلۡهُدَىٰ فَلَن يَهۡتَدُوٓاْ إِذًا أَبَدًا

And who does more wrong than he who is reminded of the Ayat (proofs, evidences, verses, lessons, signs, revelations, etc.) of his Lord,ﷻ but turns away from them forgetting what (deeds) his hands have sent forth. Truly, We have set veils over their hearts lest they should understand this (the Quran), and in their ears, deafness. And if you (O Muhammad SAW) call them to guidance, even then they will never be guided.

তার চাইতে অধিক জালেম কে, যাকে তার পালনকর্তাﷻর কালাম দ্বারা বোঝানো হয়, অতঃপর সে তা থেকে মুখ ফিরিয়ে নেয় এবং তার পূর্ববর্তী কৃতকর্মসমূহ ভুলে যায়? আমি তাদের অন্তরের উপর পর্দা রেখে দিয়েছি, যেন তা না বোঝে এবং তাদের কানে রয়েছে বধিরতার বোঝা। যদি আপনি তাদেরকে সৎপথের প্রতি দাওয়াত দেন, তবে কখনই তারা সৎপথে আসবে না।

उस व्यक्ति से बढ़कर ज़ालिम कौन होगा जिसे उसके रबअल्लाहﷻ की आयतों के द्वारा समझाया गया, तो उसने उनसे मुँह फेर लिया और उसे भूल गया, जो सामान उसके हाथ आगे बढ़ा चुके है? निश्चय ही हमने उनके दिलों पर परदे डाल दिए है कि कहीं वे उसे समझ न लें और उनके कानों में बोझ डाल दिया (कि कहीं वे सुन न ले)। यद्यपि तुम उन्हें सीधे मार्ग की ओर बुलाओ, वे कभी भी मार्ग नहीं पा सकते

و کیست ستمگرتر از آنکه یادآوری شد به آیتهای خدا پس روی گردانید از آنها و فراموش کرد آنچه را پیش فرستاد دستهایش همانا نهادیم بر دلهای ایشان پوششهائی از آنکه دریابندش و در گوشهای ایشان سنگینی را و اگر خوانیشان بسوی هدایت هرگز هدایت نشوند هیچگاه

Al-Kahf (18:58)

وَرَبُّكَ ٱلْغَفُورُ ذُو ٱلرَّحْمَةِ لَوْ يُؤَاخِذُهُم بِمَا

كَسَبُوا۟ لَعَجَّلَ لَهُمُ ٱلْعَذَابَ بَل لَّهُم مَّوْعِدٌ لَّن

يَجِدُوا۟ مِن دُونِهِۦ مَوْئِلًا

And your Lordﷻ  is Most Forgiving, Owner of Mercy. Were Heﷻ  to call them to account for what they have earned, then surely, Heﷻ would have hastened their punishment. But they have their appointed time, beyond which they will find no escape.

আপনার পালনকর্তা ﷻক্ষমাশীল, দয়ালু, যদি তিনি তাদেরকে তাদের কৃতকর্মের জন্যে পাকড়াও করেন তবে তাদের শাস্তি ত্বরান্বিত করতেন, কিন্তু তাদের জন্য রয়েছে একটি প্রতিশ্রুত সময়, যা থেকে তারা সরে যাওয়ার জায়গা পাবে না।

तुम्हारा रबﷻ अत्यन्त क्षमाशील और दयावान है। यदि वह उन्हें उसपर पकड़ता जो कुछ कि उन्होंने कमाया है तो उनपर शीघ्र ही यातना ला देता। नहीं, बल्कि उनके लिए तो वादे का एक समय निशिचत है।

उससे हटकर वे बच निकलने का कोई मार्ग न पाएँगे

و پروردگار تو است آمرزنده صاحب رحمت اگر گرفتارشان کند بدانچه فراهم کردند هر آینه بشتابد برای ایشان در عذاب بلکه ایشان را است وعده‌گاهی که هرگز نیابند جز آن پناهگاهی را
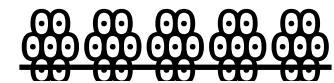
Al-Kahf (18:59)

وَتِلْكَ ٱلْقُرَىٰٓ أَهْلَكْنَٰهُمْ لَمَّا ظَلَمُوا۟ وَجَعَلْنَا لِمَهْلِكِهِم مَّوْعِدًا

And these towns (population, 'Ad, Thamud, etc.) We ﷻdestroyed when they did wrong. And Weﷻ appointed a fixed time for their destruction.

এসব জনপদও তাদেরকে আমিﷻ ধ্বংস করে দিয়েছি, যখন তারা জালেম হয়ে গিয়েছিল এবং আমিﷻ তাদের ধ্বংসের জন্যে একটি প্রতিশ্রুত

সময় নির্দিষ্ট করেছিলাম।

और ये बस्तियाँ वे है कि जब उन्होंने अत्याचार किया तो हमअल्लाहﷻने उन्हें विनष्ट कर दिया, और हमअल्लाहﷻने उनके विनाश के लिए एक समय निश्चित कर रखा था

و اینک شهرها نابود کردیم آنها را گاهی که ستم کردند و نهادیم برای نابودیشان وعده‌گاهی را

Al-Inshiqaaq (84:11)

فَسَوۡفَ يَدۡعُواْ ثُبُورًا

He will invoke (his) destruction,

সে মৃত্যুকে আহবান করবে,

तो वह विनाश (मृत्यु) को पुकारेगा,

پس زود است بخواند مرگ را

Al-Inshiqaaq (84:11)

فَسَوْفَ يَدْعُوا۟ ثُبُورًا

He will invoke (his) destruction,

সে মৃত্যুকে আহবান করবে,

तो वह विनाश (मृत्यु) को पुकारेगा,
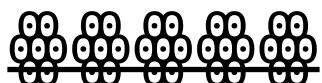
پس زود است بخواند مرگ را
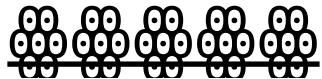
Al-Inshiqaaq (84:13)

إِنَّهُۥ كَانَ فِىٓ أَهْلِهِۦ مَسْرُورًا

Verily, he was among his people in joy!

সে তার পরিবার-পরিজনের মধ্যে আনন্দিত ছিল।

वह अपने लोगों में मग्न था,

که بود او همانا در خاندان خود شادان

Al-Inshiqaaq (84:14)

إِنَّهُۥ ظَنَّ أَن لَّن يَحُورَ

Verily, he thought that he would never come back (to Us)!

সে মনে করত যে, সে কখনও ফিরে যাবে না।

उसने यह समझ रखा था कि उसे कभी पलटना नहीं है

او همانا پنداشت که هرگز بازنگردد

Al-Inshiqaaq (84:19)

لَتَرْكَبُنَّ طَبَقًا عَن طَبَقٍ

You shall certainly travel from stage to stage (in this life and in the Hereafter).

নিশ্চয় তোমরা এক সিঁড়ি থেকে আরেক সিঁড়িতে আরোহণ করবে।

निश्चय ही तुम्हें मंजिल पर मंजिल चढ़ना है

که هر آینه سوار گردید پشتی بر پشتی (طبقه‌ای پس از طبقه‌ای)

Al-Inshiqaaq (84:20)

فَمَا لَهُمْ لَا يُؤْمِنُونَ

What is the matter with them, that they believe

not?

অতএব, তাদের কি হল যে, তারা ঈমান আনে না?

फिर उन्हें क्या हो गया है कि ईमान नहीं लाते?

پس چه شودشان که ایمان نیارند
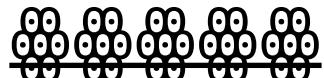
Al-Inshiqaaq (84:21)

وَإِذَا قُرِئَ عَلَيْهِمُ ٱلْقُرْءَانُ لَا يَسْجُدُونَ

And when the Quran is recited to them, they fall not prostrate,

যখন তাদের কাছে কোরআন পাঠ করা হয়, তখন সেজদা করে না।

और जब उन्हें कुरआन पढ़कर सुनाया जाता है तो सजदे में नहीं गिर पड़ते?

و گاهی که خوانده شود بر ایشان قرآن سجده نکنند

Al-Inshiqaaq (84:22)

بَلِ ٱلَّذِينَ كَفَرُوا۟ يُكَذِّبُونَ

Nay, (on the contrary), those who disbelieve, belie (Prophet Muhammad (Peace be upon him) and whatever he brought, i.e. this Quran and Islamic Monotheism, etc.).

বরং কাফেররা এর প্রতি মিথ্যারোপ করে।

नहीं, बल्कि इनकार करनेवाले तो झुठलाते है,

بلکه آنان که کفر ورزیدند تکذیب کنند

Al-Inshiqaaq (84:23)

وَٱللَّهُ أَعْلَمُ بِمَا يُوعُونَ

And Allah knows best what they gather (of good and bad deeds),

তারা যা সংরক্ষণ করে, আল্লাহ তা জানেন।

हालाँकि जो कुछ वे अपने अन्दर एकत्र कर रहे है, अल्लाह उसे भली-भाँति जानता है

و خدا دانا است بدانچه در خويشتن نهان دارند

Al-Inshiqaaq (84:24)

فَبَشِّرْهُم بِعَذَابٍ أَلِيمٍ

So announce to them a painful torment.

অতএব, তাদেরকে যন্ত্রণাদায়ক শাস্তির সুসংবাদ দিন।

अतः उन्हें दुखद यातना की मंगल सूचना दे दो

پس مژده ده ایشان را به عذابی دردناک
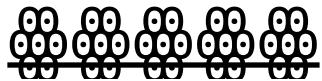
Al-Inshiqaaq (84:25)

بسم الله الرحمن الرحيم

إِلَّا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ وَعَمِلُوا۟ ٱلصَّـٰلِحَـٰتِ لَهُمْ أَجْرٌ غَيْرُ مَمْنُونٍۭ

Save those who believe and do righteous good deeds, for them is a reward that will never come to an end (i.e. Paradise).

কিন্তু যারা বিশ্বাস স্থাপন করে ও সৎকর্ম করে, তাদের জন্য রয়েছে অফুরন্ত পুরস্কার।

अलबत्ता जो लोग ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए उनके लिए कभी न समाप्त॥ होनेवाला प्रतिदान है

مگر آنان که ایمان آوردند و کردار شایسته کردند که ایشان را است مزدی بی‌پایان (یا بی‌منّت)

As-Saaffaat (37:50)

فَأَقْبَلَ بَعْضُهُمْ عَلَىٰ بَعْضٍ يَتَسَاءَلُونَ

Then they will turn to one another, mutually questioning.

অতঃপর তারা একে অপরের দিকে মুখ করে জিজ্ঞাসাবাদ করবে।

फिर वे एक-दूसरे की ओर रुख़ करके आपस में पूछेंगे

و روی آورد برخی از ایشان به برخی پرسش‌کنان

As-Saaffaat (37:51)

قَالَ قَآئِلٌ مِّنْهُمْ إِنِّى كَانَ لِى قَرِينٌ

A speaker of them will say: "Verily, I had a companion (in the world),

তাদের একজন বলবে, আমার এক সঙ্গী ছিল।

उनमें से एक कहनेवाला कहेगा, "मेरा एक साथी था;

گفت گوینده‌ای از ایشان که همانا بود مرا همنشینی
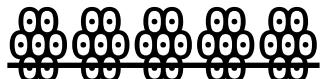
As-Saaffaat (37:52)

يَقُولُ أَءِنَّكَ لَمِنَ ٱلْمُصَدِّقِينَ

Who used to say: "Are you among those who believe (in resurrection after death).

সে বলত, তুমি কি বিশ্বাস কর যে,

जो कहा करता था क्या तुम भी पुष्टि करनेवालों में से हो?

می گفت آیا توئی از راست پنداران (تصدیق‌کنندگان)

As-Saaffaat (37:53)

أَءِذَا مِتْنَا وَكُنَّا تُرَابًا وَعِظَٰمًا أَءِنَّا لَمَدِينُونَ

"(That) when we die and become dust and bones, shall we indeed (be raised up) to receive reward or punishment (according to our deeds)?"

আমরা যখন মরে যাব এবং মাটি ও হাড়ে পরিণত হব, তখনও কি আমরা প্রতিফল প্রাপ্ত হব?

क्या जब हम मर चुके होंगे और मिट्टी और हड्डियाँ होकर रह जाएँगे, तो क्या हम वास्तव में बदला पाएँगे?"

آیا گاهی که مُردیم و شدیم خاکی و استخوانهائی آیا مائیم هر آینه کیفردادگان

As-Saaffaat (37:54)

قَالَ هَلۡ أَنتُم مُّطَّلِعُونَ

(The man) said: "Will you look down?"

আল্লাহ বলবেন, তোমরা কি তাকে উকি দিয়ে দেখতে চাও?

वह कहेगा, "क्या तुम झाँककर देखोगे?"

گفت آیا شمائید سربرآرندگان

As-Saaffaat (37:55)

فَٱطَّلَعَ فَرَءَاهُ فِي سَوَآءِ ٱلۡجَحِيمِ

So he looked down and saw him in the midst of the Fire.

অপর সে উকি দিয়ে দেখবে এবং তাকে জাহান্নামের মাঝখানে দেখতে পাবে।

फिर वह झाँकेगा तो उसे भड़कती हुई आग के बीच में देखेगा

پس سربرآورد پس نگریستش در میان دوزخ

As-Saaffaat (37:56)

قَالَ تَٱللَّهِ إِن كِدتَّ لَتُرْدِينِ

He said: "By Allah!ﷻ You have nearly ruined me.

সে বলবে, আল্লাহﷻর কসম, তুমি তো আমাকে

প্রায় ধ্বংসই করে দিয়েছিলে।

कहेगा, "अल्लाहﷻ की क़सम! तुम तो मुझे तबाह ही करने को थे

گفت به خدا سوگند همانا نزدیک بود مرا سرنگون کنی

As-Saaffaat (37:57)

بسم اللہ الرحمٰن الرحیم

وَلَوْلَا نِعْمَةُ رَبِّى لَكُنتُ مِنَ ٱلْمُحْضَرِينَ

"Had it not been for the Grace of my Lordاللهﷻ, I would certainly have been among those brought forth (to Hell)."

আমার পালনকর্তাاللهﷻর অনুগ্রহ না হলে আমিও যে গ্রেফতারকৃতদের সাথেই উপস্থিত হতাম।

यदि मेरे रबاللهﷻ की अनुकम्पा न होती तो अवश्य ही

मैं भी पकड़कर हाज़िर किए गए लोगों में से होता

و اگر نبود نعمت پروردگار من هر آینه می‌بودم از احضارشدگان
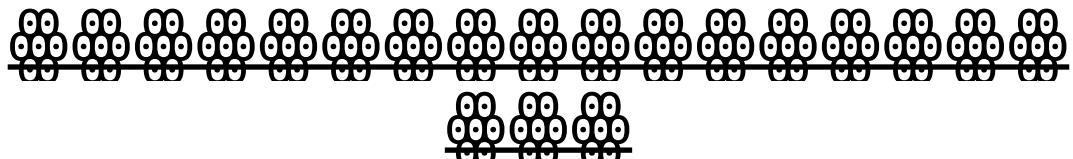
## -FirAuon-Pharoah-ఫిర్ఔను-

## GBల-మనుసులు-

Al-Ghaafir (40:36)

وَقَالَ فِرْعَوْنُ يَٰهَٰمَٰنُ ٱبْنِ لِى صَرْحًا لَّعَلِّىٓ أَبْلُغُ ٱلْأَسْبَٰبَ

And Fir'aun (Pharaoh) said: "O Haman! Build me a tower that I may arrive at the ways,

ফেরাউন বলল, হে হামান, তুমি আমার জন্যে একটি সুউচ্চ প্রাসাদ নির্মাণ কর, হয়তো আমি

পৌঁছে যেতে পারব।

फ़िरऔन ने कहा, "ऐ हामान! मेरे एक उच्च भवन बना, ताकि मैं साधनों तक पहुँच सकूँ,

و گفت فرعون ای هامان بنیاد کن برایم برجی شاید رسم به درها (کاخی)

Al-Ghaafir (40:37)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَسْبَٰبَ ٱلسَّمَٰوَٰتِ فَأَطَّلِعَ إِلَىٰٓ إِلَٰهِ مُوسَىٰ وَإِنِّى لَأَظُنُّهُۥ كَٰذِبًا وَكَذَٰلِكَ زُيِّنَ لِفِرْعَوْنَ سُوٓءُ عَمَلِهِۦ وَصُدَّ عَنِ ٱلسَّبِيلِ وَمَا كَيْدُ فِرْعَوْنَ إِلَّا فِى تَبَابٍ

"The ways of the heavens, and I may look upon the Ilah (God) of Musa (Moses) but verily, I think him to be a liar." Thus it was made fair-seeming, in Fir'aun's (Pharaoh) eyes, the

evil of his deeds, and he was hindered from the (Right) Path, and the plot of Fir'aun (Pharaoh) led to nothing but loss and destruction (for him).

আকাশের পথে, অতঃপর উঁকি মেরে দেখব মূসার আল্লাহকে। বস্তুতঃ আমি তো তাকে মিথ্যাবাদীই মনে করি। এভাবেই ফেরাউনের কাছে সুশোভিত করা হয়েছিল তার মন্দ কর্মকে এবং সোজা পথ থেকে তাকে বিরত রাখা হয়েছিল। ফেরাউনের চক্রান্ত ব্যর্থ হওয়ারই ছিল।

आकाशों को साधनों (और क्षत्रों) तक। फिर मूसा के पूज्य को झाँककर देखूँ। मैं तो उसे झूठा ही समझता हूँ।" इस प्रकार फ़िरऔन को लिए उसका दुष्कर्म सुहाना बना दिया गया और उसे मार्ग से रोक दिया गया। फ़िरऔन की चाल तो बस तबाही के सिलसिले में रही

درهای آسمانها پس سر برآرم به خدای موسی و هر آینه گمان دارمش دروغگوی و بدینسان بیاراست برای فرعون زشتی کردارش و بازداشته شد از راه و نیست

نیرنگ فرعون جز در تباهی
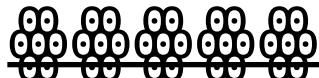
Al-Ghaafir (40:38)

وَقَالَ ٱلَّذِىٓ ءَامَنَ يَٰقَوۡمِ ٱتَّبِعُونِ أَهۡدِكُمۡ سَبِيلَ ٱلرَّشَادِ

And the man who believed said: "O my people! Follow me, I will guide you to the way of right conduct [i.e. guide you to Allah's religion of Islamic Monotheism with which Musa (Moses) has been sent].

মুমিন লোকটি বললঃ হে আমার কওম, তোমরা আমার অনুসরণ কর। আমি তোমাদেরকে সৎপথ প্রদর্শন করব।

उस व्यक्ति ने, जो ईमान लाया था, कहा, "ऐ मेरी क़ौम के लोगो! मेरा अनुसरण करो, मैं तुम्हे भलाई का ठीक रास्ता दिखाऊँगा

و گفت آنکه ایمان آورد ای قوم مرا پیروی کنید رهبریتان کنم به راه راست
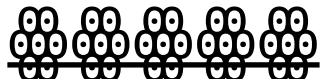
ꕥꕥꕥꕥꕥ

Al-Ghaafir (40:39)

يَٰقَوْمِ إِنَّمَا هَٰذِهِ ٱلْحَيَوٰةُ ٱلدُّنْيَا مَتَٰعٌ وَإِنَّ ٱلْءَاخِرَةَ هِىَ دَارُ ٱلْقَرَارِ

"O my people! Truly, this life of the world is nothing but a (quick passing) enjoyment, and verily, the Hereafter that is the home that will remain forever."

হে আমার কওম, পার্থিব এ জীবন তো কেবল উপভোগের বস্তু, আর পরকাল হচ্ছে স্থায়ী বসবাসের গৃহ।

ऐ मेरी क़ौम के लोगो! यह सांसारिक जीवन तो बस अस्थायी उपभोग है। निश्चय ही स्थायी रूप से ठहरनेका

घर तो आख़िरत ही है

ای قوم من جز این نیست که این زندگانی دنیا است
بهره و همانا خانه آخرت است سرای آرامگاه

Al-Ghaafir (40:40)

بسم الله الرحمن الرحيم

مَنْ عَمِلَ سَيِّئَةً فَلَا يُجْزَىٰٓ إِلَّا مِثْلَهَا وَمَنْ عَمِلَ صَٰلِحًا مِّن ذَكَرٍ أَوْ أُنثَىٰ وَهُوَ مُؤْمِنٌ فَأُو۟لَٰٓئِكَ يَدْخُلُونَ ٱلْجَنَّةَ يُرْزَقُونَ فِيهَا بِغَيْرِ حِسَابٍ

"Whosoever does an evil deed, will not be requited except the like thereof, and whosoever does a righteous deed, whether male or female and is a true believer (in the Oneness of Allahﷻ), such will enter Paradise, where they will be provided therein (with all things in abundance) without limit.

যে মন্দ কর্ম করে, সে কেবল তার অনুরূপ প্রতিফল পাবে, আর যে, পুরুষ অথবা নারী মুমিন অবস্থায় সৎকর্ম করে তারাই জান্নাতে প্রবেশ করবে। তথায় তাদেরকে বে-হিসাব রিযিক দেয়া হবে।

जिस किसी ने बुराई की तो उसे वैसा ही बदला मिलेगा, किन्तु जिस किसी ने अच्छा कर्म किया, चाहे वह पुरुष हो या स्त्री, किन्तु हो वह मोमिन, तो ऐसे लोग जन्नत में प्रवेश करेंगे। वहाँ उन्हें बेहिसाब दिया जाएगा

هر که کردار زشت کند کیفر نشود جز همانندش و هر که کردار شایسته کند از نر یا ماده حالی که او است مؤمن پس آنان به بهشت درآیند روزیمند شوند در آن بی‌شمار

Al-Ghaafir (40:41)

وَيَٰقَوْمِ مَا لِيٓ أَدْعُوكُمْ إِلَى ٱلنَّجَوٰةِ

وَتَدۡعُونَنِيٓ إِلَى ٱلنَّارِ

"And O my people! How is it that I call you to salvation while you call me to the Fire!

হে আমার কওম, ব্যাপার কি, আমি তোমাদেরকে দাওয়াত দেই মুক্তির দিকে, আর তোমরা আমাকে দাওয়াত দাও জাহান্নামের দিকে।

ऐ मेरी क़ौम के लोगो! यह मेरे साथ क्या मामला है कि मैं तो तुम्हें मुक्ति की ओर बुलाता हूँ और तुम मुझे आग की ओर बुला रहे हो?

و ای قوم چه شود مرا که خوانمتان بسوی نجات و شما خوانیدم بسوی آتش

Al-Ghaafir (40:42)

تَدۡعُونَنِي لِأَكۡفُرَ بِٱللَّهِ وَأُشۡرِكَ بِهِۦ مَا لَيۡسَ

لِى بِهِۦ عِلْمٌ وَأَنَا۠ أَدْعُوكُمْ إِلَى ٱلْعَزِيزِ ٱلْغَفَّٰرِ

"You invite me to disbelieve in Allahﷻ (and in His Oneness), and to join partners in worship with Him; of which I have no knowledge, and I invite you to the All-Mighty, the Oft-Forgiving!

তোমরা আমাকে দাওয়াত দাও, যাতে আমি আল্লাহﷻকে অস্বীকার করি এবং তাঁর সাথে শরীক করি এমন বস্তুকে, যার কোন প্রমাণ আমার কাছে নেই। আমি তোমাদেরকে দাওয়াত দেই পরাক্রমশালী, ক্ষমাশীল আল্লাহর দিকে।

तुम मुझे बुला रहे हो कि मैं अल्लाहﷻ के साथ कुफ़्र करूँ और उसके साथ उसे साझी ठहराऊँ जिसका मुझे कोई ज्ञान नहीं, जबकि मैं तुम्हें बुला रहा हूँ उसकी ओर जो प्रभुत्वशाली, अत्यन्त क्षमाशील है

خوانيدم كه كفر ورزم به خدا و شريک گردانم با وى آنچه را نيستم بدان دانشى و من خوانمتان بسوى خداوند عزّتمند آمرزگار
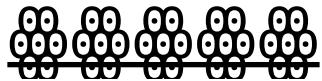
Al-Ghaafir (40:43)

بسم الله الرحمن الرحيم

لَا جَرَمَ أَنَّمَا تَدْعُونَنِيٓ إِلَيْهِ لَيْسَ لَهُۥ دَعْوَةٌ فِي ٱلدُّنْيَا وَلَا فِي ٱلْـَٔاخِرَةِ وَأَنَّ مَرَدَّنَآ إِلَى ٱللَّهِ وَأَنَّ ٱلْمُسْرِفِينَ هُمْ أَصْحَٰبُ ٱلنَّارِ

"No doubt you call me to (worship) one who cannot grant (me) my request (or respond to my invocation) in this world or in the Hereafter. And our return will be to Allahﷻ, and Al-Musrifun (i.e. polytheists and arrogants, those who commit great sins, the transgressors of Allahﷻ's set limits)! They shall be the dwellers of the Fire!

এতে সন্দেহ নেই যে, তোমরা আমাকে যার দিকে দাওয়াত দাও, হইকালে ও পরকালে তার কোন

দাওয়াত নেই! আমাদের প্রত্যাবর্তন আল্লাহﷻর দিকে এবং সীমা লংঘকারীরাই জাহান্নামী।

निस्संदेह तुम मुझे जिसकी ओर बुलाते हो उसके लिए न संसार में आमंत्रण है और न आख़िरत (परलोक) में और यह की हमें लौटना भी अल्लाहﷻ ही की ओर है और यह कि जो मर्यादाही है, वही आग (में पड़नेवाले) वाले है

ناگزیر آنچه مرا بسویش خوانید نیستش دعوتی در دنیا و نه در آخرت و آنکه بازگشت ما بسوی خدا است و آنکه فزونی‌خواهانند یاران آتش

Al-Ghaafir (40:44)

فَسَتَذْكُرُونَ مَآ أَقُولُ لَكُمْ وَأُفَوِّضُ أَمْرِىٓ إِلَى ٱللَّهِ إِنَّ ٱللَّهَ بَصِيرٌۢ بِٱلْعِبَادِ

"And you will remember what I am telling you, and my affair I leave it to Allahﷻ. Verily,

Allahﷻ is the All-Seer of (His) slaves."

আমি তোমাদেরকে যা বলছি, তোমরা একদিন তা স্মরণ করবে। আমি আমার ব্যাপার আল্লাহﷻর কাছে সমর্পণ করছি। নিশ্চয় বান্দারা আল্লাহﷻর দৃষ্টিতে রয়েছে।

अत: शीघ्र ही तुम याद करोगे, जो कुछ मैं तुमसे कह रहा हूँ। मैं तो अपना मामला अल्लाहﷻ को सौंपता हूँ। निस्संदेह अल्लाहﷻ की दृष्टि सब बन्दों पर है

زود است یاد آرید آنچه را به شما گویم و بگذارم کار خویش را به خدا که خدا به بندگان است بینا
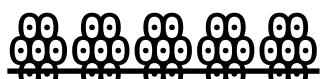
Al-Ghaafir (40:45)

فَوَقَىٰهُ ٱللَّهُ سَيِّـَٔاتِ مَا مَكَرُوا۟ وَحَاقَ بِـَٔالِ فِرْعَوْنَ سُوٓءُ ٱلْعَذَابِ

So Allahﷻ saved him from the evils that they

plotted (against him), while an evil torment encompassed Fir'aun's (Pharaoh) people.

অতঃপর আল্লাহﷻ তাকে তাদের চক্রান্তের অনিষ্ট থেকে রক্ষা করলেন এবং ফেরাউন গোত্রকে শোচনীয় আযাব গ্রাস করল।

अन्ततः जो चाल वे चल रहे थे, उसकी बुराइयों से अल्लाहﷻ ने उसे बचा लिया और फ़िरऔनियों को बुरी यातना ने आ घेरा;

پس نگهداشتش خدا از بدیهای آنچه نیرنگ آوردند و فرود آمد به خاندان فرعون زشتی عذاب

Al-Ghaafir (40:46)

ٱلنَّارُ يُعْرَضُونَ عَلَيْهَا غُدُوًّا وَعَشِيًّا وَيَوْمَ تَقُومُ ٱلسَّاعَةُ أَدْخِلُوٓا۟ ءَالَ فِرْعَوْنَ أَشَدَّ ٱلْعَذَابِ

The Fire; they are exposed to it, morning and afternoon, and on the Day when the Hour will be established (it will be said to the angels): "Cause Fir'aun's (Pharaoh) people to enter the severest torment!"

সকালে ও সন্ধ্যায় তাদেরকে আগুনের সামনে পেশ করা হয় এবং যেদিন কেয়ামত সংঘটিত হবে, সেদিন আদেশ করা হবে, ফেরাউন গোত্রকে কঠিনতর আযাবে দাখিল কর।

अर्थात आग ने; जिसके सामने वे प्रातःकाल और सायंकाल पेश किए जाते है। और जिन दिन क़ियामत की घड़ी घटित होगी (कहा जाएगा), "फ़िरऔन के लोगों को निकृष्ट तम यातना में प्रविष्टी कराओ!"

آتش عرض شوند بر آن بامدادان و شامگاه و روزی که بپا شود ساعت درآرید خاندان فرعون را به سخت‌ترین عذاب

Al-Ghaafir (40:47)

وَإِذْ يَتَحَآجُّونَ فِى ٱلنَّارِ فَيَقُولُ ٱلضُّعَفَٰٓؤُا۟
لِلَّذِينَ ٱسْتَكْبَرُوٓا۟ إِنَّا كُنَّا لَكُمْ تَبَعًا فَهَلْ أَنتُم
مُّغْنُونَ عَنَّا نَصِيبًا مِّنَ ٱلنَّارِ

And, when they will dispute in the Fire, the weak will say to those who were arrogant; "Verily! We followed you, can you then take from us some portion of the Fire?"

যখন তারা জাহান্নামে পরস্পর বিতর্ক করবে, অতঃপর দূর্বলরা অহংকারীদেরকে বলবে, আমরা তোমাদের অনুসারী ছিলাম। তোমরা এখন জাহান্নামের আগুনের কিছু অংশ আমাদের থেকে নিবৃত করবে কি?

और सोचो जबकि वे आग के भीतर एक-दूसरे से झगड़ रहे होंगे, तो कमज़ोर लोग उन लोगों से, जो बड़े बनते

थे, कहेंगे, "हम तो तुम्हारे पीछे चलनेवाले थे। अब क्या तुम हमपर से आग का कुछ भाग हटा सकते हो?"

و گاهی که پرخاش کنند در آتش پس گویند ناتوانان بدانان که کبر ورزیدند که ما بودیم شما را پیروانی آیا شمائید بی‌نیازکنندگان از ما بهره‌ای را از آتش

Al-Ghaafir (40:48)

قَالَ ٱلَّذِينَ ٱسْتَكْبَرُوٓا۟ إِنَّا كُلٌّ فِيهَآ إِنَّ ٱللَّهَ قَدْ حَكَمَ بَيْنَ ٱلْعِبَادِ

Those who were arrogant will say: "We are all (together) in this (Fire)! Verily Allahﷻ has judged between (His) slaves!"

অহংকারীরা বলবে, আমরা সবাই তো জাহান্নামে আছি। আল্লাহﷻ তাঁর বান্দাদের ফয়সালা করে দিয়েছেন।

वे लोग, जो बड़े बनते थे, कहेंगे, "हममें से प्रत्येक इसी में पड़ा है। निश्चय ही अल्लाहﷻ बन्दों के बीच फ़ैसला कर चुका।"

گفتند آنان که کبر ورزیدند مائیم همگی در آن همانا خدا حکومت کرد میان بندگان
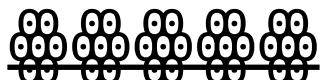
Al-Ghaafir (40:49)

وَقَالَ ٱلَّذِينَ فِى ٱلنَّارِ لِخَزَنَةِ جَهَنَّمَ ٱدْعُوا۟ رَبَّكُمْ يُخَفِّفْ عَنَّا يَوْمًا مِّنَ ٱلْعَذَابِ

And those in the Fire will say to the keepers (angels) of Hell: "Call upon your Lord to lighten for us the torment for a day!"

যারা জাহান্নামে আছে, তারা জাহান্নামের রক্ষীদেরকে বলবে, তোমরা তোমাদের পালনকর্তাকে বল, তিনি যেন আমাদের থেকে একদিনের আযাব লাঘব করে দেন।

जो लोग आग में होंगे वे जहन्नम के प्रहरियों से कहेंगे कि "अपने रब को पुकारो कि वह हमपर से एक दिन यातना कुछ हल्की कर दे!"

و گفتند آنان که در آتشند به نگهبانان دوزخ بخوانید پروردگار خویش را بکاهد از ما روزی را از عذاب

Al-Ghaafir (40:50)

قَالُوٓا۟ أَوَلَمْ تَكُ تَأْتِيكُمْ رُسُلُكُم بِٱلْبَيِّنَٰتِ قَالُوا۟ بَلَىٰ قَالُوا۟ فَٱدْعُوا۟ وَمَا دُعَٰٓؤُا۟ ٱلْكَٰفِرِينَ إِلَّا فِى ضَلَٰلٍ

They will say: "Did there not come to you, your Messengers with (clear) evidences and signs? They will say: "Yes." They will reply: "Then call (as you like)! And the invocation of the disbelievers is nothing but in error!"

রক্ষীরা বলবে, তোমাদের কাছে কি সুস্পষ্ট প্রমাণাদিসহ তোমাদের রসূল আসেননি? তারা বলবে হ্যাঁ। রক্ষীরা বলবে, তবে তোমরাই দোয়া কর। বস্তুতঃ কাফেরদের দোয়া নিস্ফলই হয়।

वे कहेंगे, "क्या तुम्हारे पास तुम्हारे रसूल खुले प्रमाण लेकर नहीं आते रहे?" कहेंगे, "क्यों नहीं!" वे कहेंगे, "फिर तो तुम्ही पुकारो।" किन्तु इनकार करनेवालों की पुकार तो बस भटककर ही रह जाती है

گفتند آیا نبود آنکه بیاید شما را پیغمبرانتان به نشانیها گفتند بلی گفتند پس بخوانید که نیست خواندن کافران جز در گمراهی
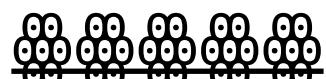
ꙮꙮꙮꙮꙮ

Al-Ghaafir (40:51)

إِنَّا لَنَنصُرُ رُسُلَنَا وَٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ فِى ٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا وَيَوْمَ يَقُومُ ٱلْأَشْهَٰدُ

Verily, We اللهﷻwill indeed make victorious Our Messengers and those who believe (in the Oneness of Allahﷻ Islamic Monotheism) in this world's life and on the Day when the witnesses will stand forth, (i.e. Day of Resurrection),

আমিاللهﷻ সাহায্য করব রসূলগণকে ও মুমিনগণকে পার্থিব জীবনে ও সাক্ষীদের দন্ডায়মান হওয়ার দিবসে।

निश्चय ही हमاللهﷻ अपने रसूलों की और उन लोगों की जो ईमान लाए अवश्य सहायता करते है, सांसारिक जीवन में भी और उस दिन भी, जबकि गवाह खड़े होंगे

ما هر آینه یاری می‌کنیم فرستادگان خویش را و آنان را که ایمان آوردند در زندگانی دنیا و روزی که بپا شوند گواهان

Al-Ghaafir (40:52)

يَوْمَ لَا يَنفَعُ ٱلظَّٰلِمِينَ مَعْذِرَتُهُمْ وَلَهُمُ ٱللَّعْنَةُ وَلَهُمْ سُوٓءُ ٱلدَّارِ

The Day when their excuses will be of no profit to Zalimun (polytheists, wrong-doers and disbelievers in the Oneness of Allahﷻ). Theirs will be the curse, and theirs will be the evil abode (i.e. painful torment in Hell-fire).

সে দিন যালেমদের ওযর-আপত্তি কোন উপকারে আসবে না, তাদের জন্যে থাকবে অভিশাপ এবং তাদের জন্যে থাকবে মন্দ গৃহ।

जिस दिन ज़ालिमों को उनका उज्र (सफ़ाई पेश करना) कुछ भी लाभ न पहुँचाएगा, बल्कि उनके लिए तो लानत है और उनके लिए बुरा घर है

روزی که سود ندهد ستمگران را بهانه‌جستن ایشان و ایشان را است لعنت و ایشان را است بدی آن سرای
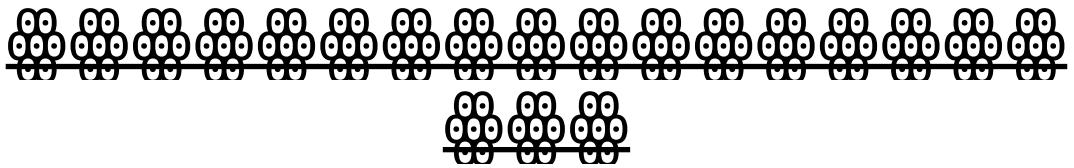
# Tyrants/Exploiters/Oppressors

# Keratitic Dominiques-కెరటక-యెదవలూ+డెమనీక నసారాలూ-+పెంటపెండవుచ్చు-జాలిములు-

Ash-Shura (42:44)

وَمَن يُضْلِلِ ٱللَّهُ فَمَا لَهُۥ مِن وَلِىٍّ مِّنۢ بَعْدِهِۦ ۗ وَتَرَى ٱلظَّٰلِمِينَ لَمَّا رَأَوُا۟ ٱلْعَذَابَ يَقُولُونَ هَلْ إِلَىٰ مَرَدٍّ مِّن سَبِيلٍ

And whomsoever Allahﷻ sends astray, for him there is no Wali (protector) after Him. And you will see the Zalimun (polytheists, wrong-doers, oppressors, etc.) when they

behold the torment, they will say: "Is there any way of return (to the world)?"

আল্লাহﷻ যাকে পথ ভ্রষ্ট করেন, তার জন্যে তিনি ব্যতীত কোন কার্যনির্বাহী নেই। পাপাচারীরা যখন আযাব প্রত্যক্ষ করবে, তখন আপনি তাদেরকে দেখবেন যে, তারা বলছে আমাদের ফিরে যাওয়ার কোন উপায় আছে কি?

जिस व्यक्ति को अल्लाहﷻ गुमराही में डाल दे, तो उसके पश्चात उसे सम्भालनेवाला कोई भी नहीं। तुम ज़ालिमों को देखोगे कि जब वे यातना को देख लेंगे तो कह रहे होंगे, "क्या लौटने का भी कोई मार्ग है?"

و آن را که گمراه سازد خدا نباشدش دوستی پس از او و بینی ستمگران را گاهی که بینند عذاب را گویند آیا هست بسوی بازگشت راهی

Ash-Shura (42:45)

وَتَرَىٰهُمْ يُعْرَضُونَ عَلَيْهَا خَٰشِعِينَ مِنَ ٱلذُّلِّ يَنظُرُونَ مِن طَرْفٍ خَفِىٍّ وَقَالَ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوٓا۟ إِنَّ ٱلْخَٰسِرِينَ ٱلَّذِينَ خَسِرُوٓا۟ أَنفُسَهُمْ وَأَهْلِيهِمْ يَوْمَ ٱلْقِيَٰمَةِ أَلَآ إِنَّ ٱلظَّٰلِمِينَ فِى عَذَابٍ مُّقِيمٍ

And you will see them brought forward to it (Hell) made humble by disgrace, (and) looking with stealthy glance. And those who believe will say: "Verily, the losers are they who lose themselves and their families on the Day of Resurrection. Verily, the Zalimun [i.e. Al-Kafirun (disbelievers in Allahﷻ, in His Oneness and in His Messenger SAW, polytheists, wrong-doers, etc.)] will be in a lasting torment.

জাহান্নামের সামনে উপস্থিত করার সময় আপনি তাদেরকে দেখবেন, অপমানে অবনত এবং অর্ধ

নিমীলিত দৃষ্টিতে তাকায়। মুমিনরা বলবে, কেয়ামতের দিন ক্ষতিগ্রস্ত তারাই, যারা নিজেদের ও তাদের পরিবার-পরিজনের ক্ষতি সাধন করেছে। শুনে রাখ, পাপাচারীরা স্থায়ী আযাবে থাকবে।

और तुम उन्हें देखोगे कि वे उस (जहन्नम) पर इस दशा में लाए जा रहे है कि बेबसी और अपमान के कारण दबे हुए है। कनखियों से देख रहे है। जो लोग ईमान लाए, वे उस समय कहेंगे कि "निश्चय ही घाटे में पड़नेवाले वही है जिन्होंने क़ियामत के दिन अपने आपको और अपने लोगों को घाटे में डाल दिया। सावधान! निश्चय ही ज़ालिम स्थिर रहनेवाली यातना में होंगे

و بینی ایشان را عرض شوند بر آن سرافکندگان از خواری بنگرند از گوشه چشم نهانی و گفتند آنان که ایمان آوردند زیانکاران آنانند که زیان کردند خویش و خاندان خویش را روز رستاخیز همانا ستمگرانند هر آینه در عذابی پایدار

Ash-Shura (42:46)

وَمَا كَانَ لَهُم مِّنْ أَوْلِيَآءَ يَنصُرُونَهُم مِّن دُونِ ٱللَّهِ وَمَن يُضْلِلِ ٱللَّهُ فَمَا لَهُۥ مِن سَبِيلٍ

And they will have no Auliya' (protectors) to help them other than Allahﷻ. And he whom Allahﷻ sends astray, for him there is no way.

আল্লাহﷻ তা’আলা ব্যতীত তাদের কোন সাহায্যকারী থাকবে না, যে তাদেরকে সাহায্য করবে। আল্লাহﷻ তা’আলা যাকে পথভ্রষ্ট করেন, তার কোন গতি নেই।

और उनके कुछ संरक्षक भी न होंगे, जो सहायता करके उन्हें अल्लाहﷻ से बचा सकें। जिसे अल्लाहﷻ गुमराही में डाल दे तो उसके लिए फिर कोई मार्ग नहीं।"

و نبودشان دوستانی که یاریشان کنند جز خدا و آن

را که گمراه سازد خدا پس نیستش راهی

Ash-Shura (42:47)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱسْتَجِيبُوا۟ لِرَبِّكُم مِّن قَبْلِ أَن يَأْتِىَ يَوْمٌ لَّا مَرَدَّ لَهُۥ مِنَ ٱللَّهِ مَا لَكُم مِّن مَّلْجَإٍ يَوْمَئِذٍ وَمَا لَكُم مِّن نَّكِيرٍ

Answer the Call of your Lord ﷻ (i.e. accept the Islamic Monotheism, O mankind, and jinns) before there comes from Allah ﷻ a Day which cannot be averted. You will have no refuge on that Day nor there will be for you any denying (of your crimes as they are all recorded in the Book of your deeds).

আল্লাহ ﷻ তা'আলার পক্ষ থেকে অবশ্যম্ভাবী দিবস আসার পূর্বে তোমরা তোমাদের পালনকর্তার

আদেশ মান্য কর। সেদিন তোমাদের কোন আশ্রয়স্থল থাকবে না এবং তা নিরোধকারী কেউ থাকবে না।

अपने रब ﷻकी बात मान लो इससे पहले कि अल्लाह ﷻकी ओर से वह दिन आ जाए जो पलटने का नहीं। उस दिन तुम्हारे लिए न कोई शरण-स्थल होगा और न तुम किसी चीज़ को रद्द कर सकोगे

بپذیرید از پروردگار خود پیش از آنکه بیاید روزی که نیستش بازگشتی از خدا نیست شما را پناهگاهی آن روز و نیستتان برابری کردن
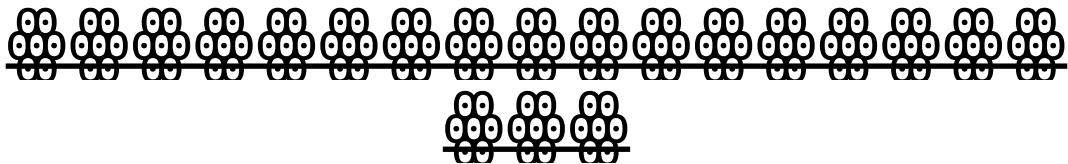
## Stories of the Ancients...

## పాతకతలు

At-Talaaq (65:8)

وَكَأَيِّن مِّن قَرْيَةٍ عَتَتْ عَنْ أَمْرِ رَبِّهَا وَرُسُلِهِۦ
فَحَاسَبْنَٰهَا حِسَابًا شَدِيدًا وَعَذَّبْنَٰهَا عَذَابًا نُّكْرًا

And many a town (population) revolted against the Command of its Lordﷲﷻ and His Messengers, and Weﷲﷻ called it to a severe account (i.e. torment in this worldly life), and shall punish it with a horrible torment (in Hell, in the Hereafter).

অনেক জনপদ তাদের পালনকর্তা ﷻﷲও তাঁর রসূলগণের আদেশ অমান্য করেছিল, অতঃপর আমি তাদেরকে কঠোর হিসাবে ধৃত করেছিলাম এবং তাদেরকে ভীষণ শাস্তি দিয়েছিলাম।

कितनी ही बस्तियाँ हैं जिन्होंने रबﷲﷻ और उसके रसूलों के आदेश के मुक़ाबले में सरकशी की, तो हमने उनकी सख़्त पकड़ की और उन्हें बुरी यातना दी

و بسا شهری که سرپیچید از فرمان پروردگار خود و

فرستادگانش پس رسیدیم حسابش را حسابی سخت و شکنجه کردیمش شکنجه‌ای زشت

At-Talaaq (65:9)

فَذَاقَتْ وَبَالَ أَمْرِهَا وَكَانَ عَٰقِبَةُ أَمْرِهَا خُسْرًا

So it tasted the evil result of its disbelief, and the consequence of its disbelief was loss (destruction in this life and an eternal punishment in the Hereafter).

অতঃপর তাদের কর্মের শাস্তি আস্বাদন করল এবং তাদের কর্মের পরিণাম ক্ষতিই ছিল।

अत: उन्होंने अपने किए के वबाल का मज़ा चख लिया और उनकी कार्य-नीति का परिणाम घाटा ही रहा

پس چشید فرجام کار خویش را و شد پایان کار او زیانکاری

At-Talaaq (65:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَعَدَّ ٱللَّهُ لَهُمْ عَذَابًا شَدِيدًا فَٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ
يَٰٓأُو۟لِى ٱلْأَلْبَٰبِ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ قَدْ أَنزَلَ ٱللَّهُ
إِلَيْكُمْ ذِكْرًا

Allahﷻ has prepared for them a severe torment. So fear Allahﷻ and keep your duty to Him, O men of understanding who have believed! - Allahﷻ has indeed sent down to you a Reminder (this Quran).

আল্লাহﷻ তাদের জন্যে যন্ত্রণাদায়ক শাস্তি প্রস্তত রেখেছেন অতএব, হে বুদ্ধিমানগণ, যারা ঈমান এনেছ, তোমরা আল্লাহﷻকে ভয় কর। আল্লাহﷻ তোমাদের প্রতি উপদেশ নাযিল করেছেন।

अल्लाहﷻ ने उनके लिए कठोर यातना तैयार कर रखी

है। अत: ऐ बुद्धि और समझवालो जो ईमान लाए हो! अल्लाहﷻ का डर रखो। अल्लाहﷻ ने तुम्हारी ओर एक याददिहानी उतार दी है

آماده کرد خدا برای ایشان عذابی سخت پس بترسید خدا را ای خردمندان آنان که ایمان آوردید همانا فرستاد خدا بسوی شما ذکری (یادداشتی)

At-Talaaq (65:11)

بسم الله الرحمن الرحيم

رَّسُولًا يَتْلُوا۟ عَلَيْكُمْ ءَايَـٰتِ ٱللَّهِ مُبَيِّنَـٰتٍ

لِّيُخْرِجَ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ وَعَمِلُوا۟ ٱلصَّـٰلِحَـٰتِ مِنَ

ٱلظُّلُمَـٰتِ إِلَى ٱلنُّورِ وَمَن يُؤْمِنۢ بِٱللَّهِ وَيَعْمَلْ

صَـٰلِحًا يُدْخِلْهُ جَنَّـٰتٍ تَجْرِى مِن تَحْتِهَا ٱلْأَنْهَـٰرُ

خَـٰلِدِينَ فِيهَآ أَبَدًا قَدْ أَحْسَنَ ٱللَّهُ لَهُۥ رِزْقًا

(And has also sent to you) a Messenger

(Muhammad SAW), who recites to you the Verses of Allahﷻ (the Quran) containing clear explanations, that He may take out, those who believe and do righteous good deeds from the darkness (of polytheism and disbelief) to the light (of Monotheism and true Faith). And whosoever believes in Allahﷻ and performs righteous good deeds, He will admit him into Gardens under which rivers flow (Paradise), to dwell therein forever. Allahﷻ has indeed granted for him an excellent provision.

একজন রসূল, যিনি তোমাদের কাছে আল্লাহﷻর সুস্পষ্ট আয়াতসমূহ পাঠ করেন, যাতে বিশ্বাসী ও সৎকর্মপরায়ণদের অন্ধকার থেকে আলোতে আনয়ন করেন। যে আল্লাহﷻর প্রতি বিশ্বাস স্থাপন করে ও সৎকর্ম সম্পাদন করে, তিনি তাকে দাখিল করবেন জান্নাতে, যার তলদেশে নদী প্রবাহিত, তথায় তারা চিরকাল থাকবে। আল্লাহﷻ তাকে উত্তম রিযিক দেবেন।

(अर्थात) एक रसूल जो तुम्हें अल्लाहﷻ की स्पष्ट आयतें पढ़कर सुनाता है, ताकि वह उन लोगों को, जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, अँधेरों से निकालकर प्रकाश की ओर ले आए। जो कोई अल्लाहﷻ पर ईमान लाए और अच्छा कर्म करे, उसे वह ऐसे बाग़ों में दाख़िल करेगा जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी - ऐसे लोग उनमें सदैव रहेंगे - अल्लाहﷻ ने उनके लिए उत्तम रोज़ी रखी है

پیمبری که بسراید بر شما آیتهای خدا را روشن تا برون آورد آنان را که ایمان آوردند و کردار شایسته کردند از تاریکیها بسوی روشنائی و آنکه ایمان آرد به خدا و بکند کاری شایسته درآردش باغهائی که روان است زیر آنها جویها جاودانان در آن همیشه به راستی نکو کرده است خدا برایش روزی را

At-Talaaq (65:12)

ٱللَّهُ ٱلَّذِي خَلَقَ سَبْعَ سَمَٰوَٰتٍ وَمِنَ ٱلْأَرْضِ مِثْلَهُنَّ يَتَنَزَّلُ ٱلْأَمْرُ بَيْنَهُنَّ لِتَعْلَمُوٓا۟ أَنَّ ٱللَّهَ

عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ قَدِيرٌ وَأَنَّ ٱللَّهَ قَدْ أَحَاطَ بِكُلِّ شَىْءٍ عِلْمًۢا

It is Allahﷻ Who has created seven heavens and of the earth the like thereof (i.e. seven). His Command descends between them (heavens and earth), that you may know that Allah has power over all things, and that Allahﷻ surrounds (comprehends) all things in (His) Knowledge.

আল্লাহﷻ সপ্তাকাশ সৃষ্টি করেছেন এবং পৃথিবীও সেই পরিমাণে, এসবের মধ্যে তাঁর আদেশ অবতীর্ণ হয়, যাতে তোমরা জানতে পার যে, আল্লাহﷻ সর্বশক্তিমান এবং সবকিছু তাঁর গোচরীভূত।

अल्लाहﷻ ही है जिसने सात आकाश बनाए और उन्ही के सदृश धरती से भी। उनके बीच (उसका) आदेश उतरता रहता है ताकि तुम जान लो कि अल्लाह को हर चीज़ का सामर्थ्य प्राप्त है और यह कि अल्लाहﷻ

हर चीज़ को अपनी ज्ञान-परिधि में लिए हुए है

خدا است آنکه آفرید هفت آسمان و از زمین مانند آنها فرود آید کار میان آنها تا بدانید که خدا بر همه چیز است توانا و آنکه خدا فراگرفته است همه چیز را به دانش

Ash-Shura (42:47)

بسم الله الرحمن الرحيم

ٱسْتَجِيبُوا۟ لِرَبِّكُم مِّن قَبْلِ أَن يَأْتِىَ يَوْمٌ لَّا مَرَدَّ لَهُۥ مِنَ ٱللَّهِ مَا لَكُم مِّن مَّلْجَإٍ يَوْمَئِذٍ وَمَا لَكُم مِّن نَّكِيرٍ

Answer the Call of your Lord (i.e. accept the Islamic Monotheism, O mankind, and jinns) before there comes from Allahﷻ a Day which cannot be averted. You will have no refuge on that Day nor there will be for you any denying (of your crimes as they are all recorded in the Book of your deeds).

আল্লাহﷻ তা’আলার পক্ষ থেকে অবশ্যম্ভাবী দিবস আসার পূর্বে তোমরা তোমাদের পালনকর্তার আদেশ মান্য কর। সেদিন তোমাদের কোন আশ্রয়স্থল থাকবে না এবং তা নিরোধকারী কেউ থাকবে না।

अपने रब की बात मान लो इससे पहले कि अल्लाहﷻ की ओर से वह दिन आ जाए जो पलटने का नहीं। उस दिन तुम्हारे लिए न कोई शरण-स्थल होगा और न तुम किसी चीज़ को रद्द कर सकोगे

که روزی بیاید آنکه از پیش خود پروردگار از بپذیرید روز آن پناهگاهی را شما نیست خدا از بازگشتی نیستش کردن برابری نیستتان و

## Be....fitting finale....సంబరాలు గీడనే-ముందున్నది ముసల్ల పండగ

At-Talaaq (65:8)

وَكَأَيِّن مِّن قَرْيَةٍ عَتَتْ عَنْ أَمْرِ رَبِّهَا وَرُسُلِهِۦ

فَحَاسَبْنَٰهَا حِسَابًا شَدِيدًا وَعَذَّبْنَٰهَا عَذَابًا نُّكْرًا

And many a town (population) revolted against the Command of its Lord ﷻand His Messengers, and Weاللهﷻ called it to a severe account (i.e. torment in this worldly life), and shall punish it with a horrible torment (in Hell, in the Hereafter).

অনেক জনপদ তাদের পালনকর্তা اللهﷻও তাঁর রসূলগণের আদেশ অমান্য করেছিল, অতঃপর আমি তাদেরকে কঠোর হিসাবে ধৃত করেছিলাম এবং তাদেরকে ভীষণ শাস্তি দিয়েছিলাম।

कितनी ही बस्तियाँ हैं जिन्होंने रबاللهﷻ और उसके रसूलों के आदेश के मुक़ाबले में सरकशी की, तो हमने उनकी सख़्त पकड़ की और उन्हें बुरी यातना दी

و بسا شهری که سرپیچید از فرمان پروردگار خود و فرستادگانش پس رسیدیم حسابش را حسابی سخت و شکنجه کردیمش شکنجه‌ای زشت

At-Talaaq (65:9)

فَذَاقَتْ وَبَالَ أَمْرِهَا وَكَانَ عَٰقِبَةُ أَمْرِهَا خُسْرًا

So it tasted the evil result of its disbelief, and the consequence of its disbelief was loss (destruction in this life and an eternal punishment in the Hereafter).

অতঃপর তাদের কর্মের শাস্তি আস্বাদন করল এবং তাদের কর্মের পরিণাম ক্ষতিই ছিল।

अत: उन्होंने अपने किए के वबाल का मज़ा चख लिया और उनकी कार्य-नीति का परिणाम घाटा ही रहा

پس چشید فرجام کار خویش را و شد پایان کار او زیانکاری

At-Talaaq (65:10)

بسم الله الرحمن الرحيم

أَعَدَّ ٱللَّهُ لَهُمْ عَذَابًا شَدِيدًا فَٱتَّقُوا۟ ٱللَّهَ

يَٰٓأُو۟لِى ٱلْأَلْبَٰبِ ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ قَدْ أَنزَلَ ٱللَّهُ

إِلَيْكُمْ ذِكْرًا

Allahﷻ has prepared for them a severe torment. So fear Allahﷻ and keep your duty to Him, O men of understanding who have believed! - Allahﷻ has indeed sent down to you a Reminder (this Quran).

আল্লাহﷻ তাদের জন্যে যন্ত্রণাদায়ক শাস্তি প্রস্তুত রেখেছেন অতএব, হে বুদ্ধিমানগণ, যারা ঈমান এনেছ, তোমরা আল্লাহﷻকে ভয় কর। আল্লাহﷻ তোমাদের প্রতি উপদেশ নাযিল করেছেন।

अल्लाहﷻ ने उनके लिए कठोर यातना तैयार कर रखी है। अतः ऐ बुद्धि और समझवालो जो ईमान लाए हो! अल्लाहﷻ का डर रखो। अल्लाहﷻ ने तुम्हारी ओर एक याददिहानी उतार दी है

آماده کرد خدا برای ایشان عذابی سخت پس بترسید خدا را ای خردمندان آنان که ایمان آوردید همانا فرستاد خدا بسوی شما ذکری (یادداشتی)

At-Talaaq (65:11)

بسم اللہ الرحمن الرحیم

رَّسُولًا يَتْلُواْ عَلَيْكُمْ ءَايَٰتِ ٱللَّهِ مُبَيِّنَٰتٍ لِّيُخْرِجَ ٱلَّذِينَ ءَامَنُواْ وَعَمِلُواْ ٱلصَّٰلِحَٰتِ مِنَ ٱلظُّلُمَٰتِ إِلَى ٱلنُّورِ وَمَن يُؤْمِنۢ بِٱللَّهِ وَيَعْمَلْ صَٰلِحًا يُدْخِلْهُ جَنَّٰتٍ تَجْرِى مِن تَحْتِهَا ٱلْأَنْهَٰرُ خَٰلِدِينَ فِيهَآ أَبَدًا قَدْ أَحْسَنَ ٱللَّهُ لَهُۥ رِزْقًا

(And has also sent to you) a Messenger (Muhammad SAW), who recites to you the Verses of Allahﷻ (the Quran) containing clear explanations, that He may take out, those who believe and do righteous good deeds from the darkness (of polytheism and disbelief) to the light (of Monotheism and true Faith). And whosoever believes in Allahﷻ and performs righteous good deeds, He will admit him into Gardens under which rivers flow (Paradise), to dwell therein forever. Allahﷻ has indeed granted for him an excellent provision.

একজন রসূল, যিনি তোমাদের কাছে আল্লাহﷻর সুস্পষ্ট আয়াতসমূহ পাঠ করেন, যাতে বিশ্বাসী ও সৎকর্মপরায়ণদের অন্ধকার থেকে আলোতে আনয়ন করেন। যে আল্লাহﷻর প্রতি বিশ্বাস স্থাপন করে ও সৎকর্ম সম্পাদন করে, তিনি তাকে দাখিল করবেন জান্নাতে, যার তলদেশে নদী প্রবাহিত, তথায় তারা চিরকাল থাকবে। আল্লাহﷻ তাকে উত্তম

রিযিক দেবেন।

(अर्थात) एक रसूल जो तुम्हें अल्लाहﷻ की स्पष्ट आयतें पढ़कर सुनाता है, ताकि वह उन लोगों को, जो ईमान लाए और उन्होंने अच्छे कर्म किए, अँधेरों से निकालकर प्रकाश की ओर ले आए। जो कोई अल्लाहﷻ पर ईमान लाए और अच्छा कर्म करे, उसे वह ऐसे बाग़ों में दाख़िल करेगा जिनके नीचे नहरें बह रही होंगी - ऐसे लोग उनमें सदैव रहेंगे - अल्लाहﷻ ने उनके लिए उत्तम रोज़ी रखी है

پیمبری که بسراید بر شما آیتهای خدا را روشن تا برون آورد آنان را که ایمان آوردند و کردار شایسته کردند از تاریکیها بسوی روشنائی و آنکه ایمان آرد به خدا و بکند کاری شایسته درآردش باغهائی که روان است زیر آنها جویها جاودانان در آن همیشه به راستی نکو کرده است خدا برایش روزی را

At-Talaaq (65:12)

ٱللَّهُ ٱلَّذِى خَلَقَ سَبۡعَ سَمَٰوَٰتٍ وَمِنَ ٱلۡأَرۡضِ

مِثۡلَهُنَّ يَتَنَزَّلُ ٱلۡأَمۡرُ بَيۡنَهُنَّ لِتَعۡلَمُوٓاْ أَنَّ ٱللَّهَ

عَلَىٰ كُلِّ شَيۡءٍ قَدِيرٌ وَأَنَّ ٱللَّهَ قَدۡ أَحَاطَ

بِكُلِّ شَيۡءٍ عِلۡمَۢا

It is Allahﷻ Who has created seven heavens and of the earth the like thereof (i.e. seven). His Command descends between them (heavens and earth), that you may know that Allahﷻ has power over all things, and that Allahﷻ surrounds (comprehends) all things in (His) Knowledge.

আল্লাহﷻ সপ্তাকাশ সৃষ্টি করেছেন এবং পৃথিবীও সেই পরিমাণে, এসবের মধ্যে তাঁর আদেশ অবতীর্ণ হয়, যাতে তোমরা জানতে পার যে, আল্লাহﷻ সর্বশক্তিমান এবং সবকিছু তাঁর গোচরীভূত।

अल्लाहﷻ ही है जिसने सात आकाश बनाए और उन्ही

के सदृश धरती से भी। उनके बीच (उसका) आदेश उतरता रहता है ताकि तुम जान लो कि अल्लाहﷻ को हर चीज़ का सामर्थ्य प्राप्त है और यह कि अल्लाहﷻ हर चीज़ को अपनी ज्ञान-परिधि में लिए हुए है

خدا است آنکه آفرید هفت آسمان و از زمین مانند آنها فرود آید کار میان آنها تا بدانید که خدا بر همه چیز است توانا و آنکه خدا فراگرفته است همه چیز را به دانش

**Trust Allaahu.only،**

**Be Firm in Faith ,**
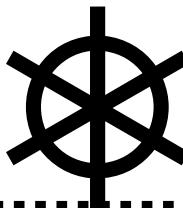
**.....Time is ticking away,**

گزرا ہوا زمانا آتا نہي دوبارا**....the Need of the moment is to format our CPUs and Configure Our Lord ,Allaahu With a Befitting Cofiguration,and to Correct our Navigational Course .......got it?????**

إسيقظ من غفلة و جهالة
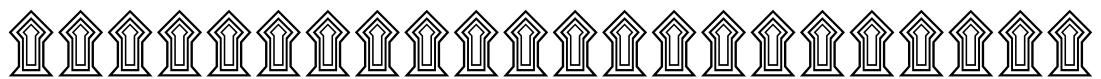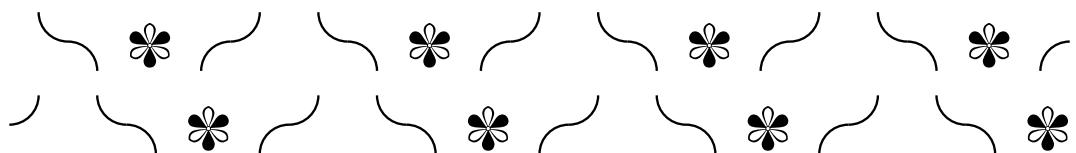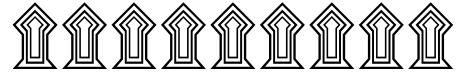
**Tableegh is not a favour to Allaahu.ﷻswt.?.**

**but The only Means for me to Save My Epidermis and my Endodermis (Skin)from Naaru Jahannama(Hellfire)..**

## Hadith

**Tableegh with AlQuran only ,and not with Cock and Bull Keratitic Dominique,Astimatic,white hair wisedom,Booze-Rouguey ,Concoted Stories from Greko_Roman_ZwendAwesty_Goonga_Jhoomaa _Anecdotes Referred to as "Asaateerul Awwaleen."**

**Spread of islmics is for free..Majjaanana..only. Those who trade in islamics are risking their future by basking in the worldly Sun...and gathering some duniyawy volatile elements called #%&+@$absebada-Rupaiyyah,/Rial/Ruble/ Euro/Dinar/Dirham/Dollar/etc...**

## Nasr...Divine Help....

yeruthu

..if are a muttaqee you would have inherited The

Earth-Ertez-Dhartee-Zameen-Bhoomi-Nela-

,.but the reality is that you have been constantly at the

Receiving End -Losing-Losing-and only Losing-

The entire earth was yours-

Your great grand Father Adam,a,s,commanded the whole

Earth...Sulayman a,s.ruled the entire earth to the Roost,

...this trend has been reversed -Lost are a Host of

Continents-Large territories-Bilaad-

since 600 Years you lost

isbaania-Burtugaal-(Spain/Portugal),to the Chritian

Inquisionists like queen isbella and king Ferdinand

combination..

Arab Sheikh, AlQurtuby who compiled "Tafseer-ul-Qurtuby"

was from Qurtuba(Cardoba),

One may read this book even now,.

Tribunal of the Holy Office of the Inquisition (Spanish: Tribunal del

Santo Oficio de la Inquisición), commonly known as the Spanish

Inquisition (Inquisición española), was established in 1478 by the

Catholic Monarchs, King Ferdinand II of Aragon and Queen Isabella I of Castile.Seal for the Tribunal in Spain/

///

Flanking the cross is a sword, symbolising the punishment of heretics, and an olive branch, symbolising reconciliation with the repentant. In Latin, the inscription "Exurge Domine et judica causam tuam. Psalm. 73" ("Arise, O God, and defend your cause) Tribunal under the Spanish monarchy, for upholding religious orthodoxy in their realm Consisted of a Grand Inquisitor, who headed the Council of the Supreme and General Inquisition, made up of six members. Under it were up to 21 tribunals in the empire. The regulation of the faith of newly converted Catholics was intensified following royal decrees issued in 1492 and 1502 ordering Jews and Muslims to convert to Catholicism or leave Castile, resulting in hundreds of thousands of forced conversions, the persecution of conversos and moriscos, and the mass expulsions of Jews and of Muslims from Spain...////Moors, members of the Muslim population of Spain and Portugal, ruled most of the Iberian Peninsula starting in the 8th century. Christian states spent several centuries working to expel the Moors from the Iberian Peninsula, a campaign called the Reconquista.////

////....Beginning in the 12th century and continuing for hundreds of years, the Inquisition is infamous for the severity of its tortures and its persecution of Jews and Muslims. Its worst manifestation was in Spain, where the Spanish Inquisition was a dominant force for more than 200 years, resulting in some 32,000 executions///....In 1580 Spain and Portugal ruled jointly by the Spanish crown and began rounding up and slaughtering Jews that had fled Spain. Philip II also renewed hostilities against the Morocan,Muslim Moors, who revolted and found themselves either killed or sold into slavery.///

///Francisco Jiménez de Cisneros (born 1436, Torrelaguna, Castile [now in Spain]—died November 8, 1517, Roa, Spain) prelate, religious reformer, and twice regent of Spain (1506, 1516–17). In 1507 he became both a cardinal and the grand inquisitor of Spain, and during his public life he sought the forced conversion of the Spanish Muslim Moors and promoted Crusades to conquer Muslims of North Africa. ///

Some,historians say Millions were tortured and eliminated,////but Europeans are trying to Palydonwn the brutality and Goellize the number to victims of torture -murde-pillage to 1%or as low as possible..////the actual numbers are Millions were killed /

Forced out....///The entire Muslim population on of Europe and Especially Spain and Portugal were killed in millionsl/Expelled to Morocco,Algeiria,Tunisia-,of Africa-

///Philip II died in 1598 and his son, Philip III, dealt with the Muslim uprising by banishing them. From 1609 to 1615, 150,000 Muslims who had converted to Catholicism were forced out of Spain.////

Damisc-Demascus,

Bogadaad-Abbaasy Baghdaad,

you lost ,Americas-Africa,Australia,and Hindoostaan-Mera Bharat Mahaan,

and Turkish Sultante ,at Canstantinople-istambol-

every where you were made to bite the dust ...God disloyal Nasara -yehudy uNo,Sc,Combo Is ruling the entire world-all because you never made Dawa as your prime time occupation-instead you stuck to your Zen,Zewr,Zamin,//Wine ,Women,Wealth ,Policy-Patelgiriry,dadagiriry, dilgeery,confined Arabic to the shelf,but ruled With Farsi-Persian -as your alma matter-spread Haraam,Fasad and Fawaahisha-and got drowned in our own Evil

Cauldron of Drinking Debauchery and handed over the political baton to the immoral Wine-Swine-Dine-Evil pollutants.without a fight-

-That too-inspite of our overwhelming numerical majority.(we were in Crores-may be 20+++/)

they were only 4000 from a distant faraway ((4000Miles )).that was ourBraveBahaaaduryबहादुरीబహాదురీ--or I call it as our ఇస్లాంనుండిపలాయనం-బహుదూరం-बहुदूरी-इस्लाम पर बगावत-Bahu Dooory from islaam, Revolt of Revelry against Islam,

The result was that Our Bahadur Shah Zafar was writing the MalUoon poetry from his Prison in Rangoon-Yangon-Hang-on-...

Bahadur Shahs, sons+nephews _along with their cousins were killed at the Humayun Tomb in Dehli :instead of fightng and attaining Shahaadah,they chose to surrender to their erstwhile suppliers of European Alcohol, ....is se zillat kya hai?????

Bahadur Shah Zafar ruled over a Mughal Empire that had by the early 19th century been reduced to only the city of Delhi and the

surrounding territory as far as Palam-////

During the Siege of Delhi when the victory of the British became certain, Zafar took refuge at Humayun's Tomb, in an area that was then at the outskirts of Delhi. Company forces led by Major William Hodson surrounded the tomb and Zafar was captured on 20 September 1857. The next day, Hodson shot his sons Mirza Mughal and Mirza Khizr Sultan, and grandson Mirza Abu Bakht under his own authority at the Khooni Darwaza, near the Delhi Gate and declared Delhi to be captured...////

.[....do gaz zameen na mil sake Dafn keliye,...lagtaa nahi hai JEE MERAA ujade dayaar me....

"नादानसे दोस्ती जी कि जलन"

The first and the worst rulers,like alcohoic addict JEHAAN.E.GEER-who For the sake of Europen Alcohol,permitted the Dutch and the Portugeese and the French-at@Kaalighat@Surat@Bombayim@Chandernagore,@Karaikal-@yanam,@Goa,Diu,Daman,@Kollikhode,etc......

//// At the Mughal court, Brtish Agent Thomas Roe allegedly became a favourite of Jahangir and may have been his drinking

partner; he arrived with gifts of "many crates of red wine"[32]:16 and explained to him What beer was and how it was made?,///

///Jehangeer was a lifelong user of opium and wine, Jahangir was frequently ill in the 1620s. ///

Finally we had a RANGEELY -mohammad Shah ruling Delhi Ta Palam Only empire--called by the Majoosy bHristorians as the great "Man-Ghaul" -empire-already ravaged by the Marattahs,Shia Adel Shas,Rajputs,Jats,Khalistanis,

The two नयनAynaini of one Rejoicy Emperor were Gauzed out by . Nader Shah Majoisy,-who Took away forcibly our Bharats gem,the daughter of our Shah, to iran as a warbooty..

////Nader Shah, furious, ordered to massacre the Delhi populace, and leaving at least 30,000 dead. Muhammad Shah and Asaf Jah I had to beg Nader Shah for mercy and thus he stopped the massacre and turned to looting the Mughal treasury.[] The famous Peacock Throne, the Daria-i-Noor and Koh-i-Noor diamonds and unimaginable wealth was looted. In addition, elephants, horses and everything that was liked was taken. Muhammad Shah also had to hand over his daughter Jahan Afruz Banu Begum as a bride

for Nader Shah's youngest son

////Ahmad Shah Durrani, the founder of the Durrani Empire, invaded Indian subcontinent for eight times between 1748 and 1767, //Ahmad Shah Durrani invaded North India for the fourth time in early 1757. He entered Delhi in January 1757 and kept the Mughal emperor under arrest.//

Ar-Room (30:60)
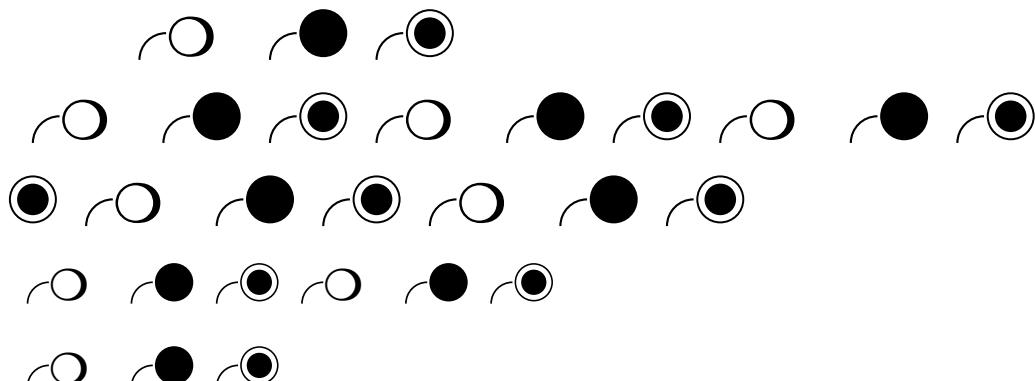
మనబూజురోగుల సంగతి యింతేనయా!కథ ఇంతేనయా!గాధలు సత్యవిదూరమిథ్యలేనయో!ఇంపోర్టెడ్ ఫ్రం గ్రీకు ,జొరతుష్ట్రా,మేజియన్,రోమన, బాబాలోనియన్,మజూసీషియ్య,గూంగా ఝూమ్నా,యామినీవీచికలేనయా! మేకమేంగనీఉడనఖటోలే కావలివుడాలిరోమయ&కంపెనీ ,ఖజూరఖలాకనేనా? చిల్ వుడీ,తిత్తిలీవుడీ!తో భైన్సు క్యా కమ్ హై -పంఖు తుముహై తో -పర్వాజుహమ్-సారీ దునియాకో ఛోఢుకర్ హమ్ సితారోంకీదునియామేజాయేంగే- కలలు,పగటికలలు,నెరవేరునా-కల్ల-కలకలకలకల్లా!
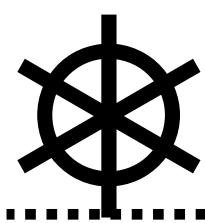
\\\ఫలస్తిన\గాజా\లో నరమేధా, జినోసైడ్, మలహామ\///////ఇంతైనా దైవాజ్ఞలను కాలరాచి,తౌబఃచేసుకోని,గెడ్డాలుగీసి,కోసి,నసారలలా బతికే సిగ్గుయెగ్గులేని చెడ్డి,

జెర్కిన్,సఫారీసూటు,బూటు,హేటు,వైన్,విస్కీ,సిగార్,
డాగీ,కేట్,రేట్,కాటరాక్టు,మైఓపిక్,అస్టిగ్మేటిక్,ఫిర్‌ఔనీ,అన క్రానిక్,నామమాత్రపు,,
రేసిస్టువుద్దూప్రేమీ50:50,ముసిలిమానులపై పిడుగు పడుగాక\\\\\
తండ్రిపేరుతెలియని తనయులు,రండముండకోమర నసారా,కిబ్బుట్జీkibbutz,
మోసగాళ్ళమొస్సాదీకేటు,యెహూదీ,బుల్షిట్ట్ రాల్లరప్పలబుల్లయ్యలను దేవుడు ఈనేలపైనే
రాచిరంపానబెట్టి, అతలాకుతలం జేసి, భస్మంచేయుగాక,\
,\యా వాసిఅల్ మగ్ఫిరతి!యా హయ్యు యా కయ్యూము!
యా అర్హమర్రాహిమీన !\
ఇర్హమ్! ముస్లిమీన వఅల్ ముస్లిమాత్ అల్లదీన కుతిలూ ఫీ కుల్లి అహ్యాయిన్ బిగైరి
హక్కిన్,వగ్ఫిర్ లహుమ్,వర్హమ్ హుమ్,వద్ఖిల్ హుముల్ జన్నః....\\ఆమీన్\\యా రఅబ్బల్
ఆలమీన\\
త్సుమ్మ అమీన్!\\

/\\/\/\/\/\/\//\/\/\/\/\\/\

దైవశాపగ్రస్త

**మునాఫికు, ముష్రికు, కాఫీరులకు, భువియే, స్వర్గం, అనుభవీ రాజా! అష్ట ఐశ్వర్యాలూ!**

**చిర్రుబుర్రులూ చిందులూ ఆడాలే!!! తాగి,తాకి,తందనాలు ఆడాలే!!! నేలపై ఆకతాయి అల్లర్లు రేపాలే!రేపులు,గ్రేపులూ వుండనే వుండే!!!ఉచ్ఛ పెట్రోలు కానీయ్యాలే!!!అంతా అదుర్స్!!!?ఖా,పీకర్ కపాస్ బనాదేనా!!! చింపేయ్యాలే!!!!!!సుక్క, ముక్క,బొమిక...ఉండనేవుండే\\\ విరుచుక\టూట్ పడేనునేను!\\\ఆకేస్కో,వక్కేస్కో,ఆపైన సూస్కొంటాన్//; \\సుగం యెంగే?:ఇదో ఇంగే!**

**\\\యవ్వనమే ఓకే >కానుకలే///జీవితమే ఓకే >వేడుకలే**

**At-Tawba (9:38)بسم الله الرحمن الرحيم**

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ مَا لَكُمْ إِذَا قِيلَ لَكُمُ ٱنفِرُوا۟ فِى سَبِيلِ ٱللَّهِ ٱثَّاقَلْتُمْ إِلَى ٱلْأَرْضِ أَرَضِيتُم بِٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا مِنَ ٱلْءَاخِرَةِ فَمَا مَتَٰعُ ٱلْحَيَوٰةِ ٱلدُّنْيَا فِى

ٱلْـَٔاخِرَةِ إِلَّا قَلِيلٌ

O you who believe! What is the matter with you, that when you are asked to march forth in the Cause of Allaahu,swt, you cling heavily to the earth? Are you pleased with the life of this world rather than the Hereafter? But little is the enjoyment of the life of this world as compared with the Hereafter.

اے ایمان والو! تمہیں کیا ہو گیا ہے کہ جب تم سے کہا جاتا ہے کہ چلو کے راستے میں کوچ کرو تو تم زمین سے لگے جاتے ہو۔ کیا تم آخرت کے عوض دنیا کی زندگانی پر ہی ریجھ گئے ہو۔ سنو! دنیا کی زندگی تو آخرت کے مقابلے میں کچھ یونہی سی ہے/9/38

ఆగేభీ జానేన మై \\ పీఛేభీ ఆగేభీ జానేన మై\\యహీ కర్లూ పూరీ ఆర్జూ మై\\\\దున్యా ఆరిజీ హై కతే మేరే బావా\\\;

కాని దైవసుప్రీంకోర్టులో ఏంజేసుకోలేన్!!!

నా ముందున్నదే ముసల్లపండగ!!!!

Al-Burooj (85:12)

إِنَّ بَطْشَ رَبِّكَ لَشَدِيدٌ

Verily, (O Muhammad (Peace be upon him)) the Grip (Punishment) of your Lord is severe.

يقيناً تیرے رب کی پکڑ بڑی سخت ہے

**r/85/12**

దునియాదారీ,విర్రవీగుళ్ళూ,లంచాలూ,మంచాలూ,చెంచాలూ,పంచలూ,రేపు

**{{{**౬౮అసలు మౌలానా౬౮**}}}**వారి సుప్రీంకోర్టులో చెల్లవే!!!! నేంజేసిన

మంచితప్పు,తతిమ్మా లన్నీ నా బేలన్సుషీటు\చిట్టాలో లయబిలిటీస్ గా మారి

నాపై భారీగా విరుచుకుపడగలవే!!!!;౬౮**Beware of fradulent muttifund zakat hadpe money launderers masquerading as moulaanaas....**

నా "అస్సెట్సు" నా "ఈమానం",ఇంకా ((నేను))అంటే అరబీ((నహ్ను))తమిళ,

మళయాల((నాన్,))కన్నడ ((నిన్న\నన్ను))చేసిన మంచిపనులు మాత్రమే,నన్ను

కాపాడగలవ్!!!!!అని!!!

మాగోరవ, శిరోధార్య,కుచ్చుకుళ్ళాయ్,పిల్లిగెడ్డపు,పండిత,షాబావులాన

ముట్టడిఫండవీ,జకాతుహడపీ,ఈనాడే((చేవెళ్ళ)) లో ఘంటాపథంగా యెగిరెగిరి

అరిచి కరిచి గోసపెట్టి గట్టిగా జెప్పిండు!!!!

మరి యీనాలా \ వద్దా
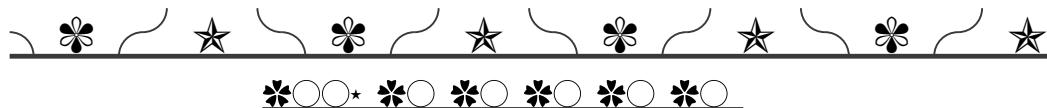
/\\V/\V/\V/\V//\/V/\/V/\/V/\\\V/\

✽○○⋆ ✽○ ✽○ ✽○ ✽○ ✽○

▁▆▁▁◢◤▁▁▆▁▁◢◤▁▆

dtp by jiddujaHoolan Zalooman with Technical help from EsciondiaAeioupPlleRajae,CCIE,

▁▆▁▁◢◤▁▁▆▁▁◢◤▁▆

#&#&#&#&#&#&#&#&#&#&#&#&#&#&#&#&#&

**What a field day for ORGAN BIO-HARVESTING OF INNOCENT HUMANS DESPATCHED REGULARLY TO THE कुबूरिस्तान.....THEIR BoDY ORGANs ARE WELCOME,THEIR LANDS ARE WELCOME...BUT MOST UNWELCOME ARE THE PALESTINIANS.....THEY MUST plunge into the MIDTERRANEAN WSTERS OR ELSE GO TO some CONGO,MANGO,DANGO,TANGO lands in AFRICA,.etc or else BE READY TO GET DESPATCHED TO आखरी वर्ल्ड.........**

✽◯ ✽◯ ✽◯ ✽◯ ✽◯ ✽◯◯⋆ ✽◯

SEVEN MONTHS OF ACTIVE WAR HAS DESTROYED CRITICAL INFRASTRUCTURE IN GAZA, INCLUDING HOSPITALS, SCHOOLS AND HOMES AS WELL AS ROADS, SEWAGE SYSTEMS AND THE ELECTRICAL GRID. AIRSTRIKES AND ISRAEL'S GROUND OFFENSIVE HAVE LEFT MORE THAN 80,000 PALESTINIANS DEAD,BURIED UNDER DEBRIS, ACCORDING TO LOCAL HEALTH AUTHORITIES. THE FIGHTING HAS DISPLACED OVER 80 PER CENT OF GAZA'S POPULATION AND PUSHED HUNDREDS OF THOUSANDS TO THE BRINK OF FAMINE, THE UN AND INTERNATIONAL AID AGENCIES SAY.

✽◯ ✽◯ ✽◯ ✽◯ ✽◯◯⋆ ✽◯ ✽◯ ✽◯ ✽◯ ✽◯

SCORE BOARD OF ONE SIDED NEVER ENDING MISMATCH SINCE 1914....

Maqtooleena...80000+++

Majrooheena....300000++++

Atfaal,wa Nisaaa....65000+++

Buyootu allaatee Dummirat

bilTaaeraat,Qumbulaat,,dabbaabaat.,wa

ghairihaaa.....98%

Jannaat wa Huqool hurriqat bil qumbulaat min

bhosbhorus....90%

Saafinaatu liSydil Asmaak alBahriyyati allaatee

dummirat..wa Hurriqat....100%

(Thirsty_)Atshaanoona wal

(Hungry_Famished.)Jawwaanoona bi ghyril

(withoutH2o)Maaa, watTaami (without

Food+Eats)walLibaasi(without

dresses),...wakulliAshyaayin (necessities)Tahtaaju

Kullu Insaanin wa Hayawaanin...30,00,000.+++

***Annissaaau allaatee Rummilat wa qutilana.....wa

wukkilna Bi kilaabil Askiriyyatil yehoodiyyati...

*****AlShaabbu alldeena dummiroo bil dabbaabaat,....

*****Al Mardaa alladeena quttiloo fi

Mustaoshafaat...

***** AT ATFAAL ALLAATY QUTILAT BI ADAM WAJOODI ADVIYYAT WA MUAALIZAAT,WA AAKSIJEN...02_WA BIQILLATIL ASHIYAAIL DARORIYYATI....

Still westren Educated drug addicted deluded dajjaaly Fahaashy Princes are supporting the malUooniyyeen....waillullahum ajmaeeen...aameen ya rabbal aalameena...

****WALLAAHU AALAMU BIL HAQEEQTI.

GOD KNOWS THE TRUTH AND WATER KNOWS THE DEPTHS.

\\\\\110 యేండ్లగా బలిపశువులు ఈ ఫిలీస్తీనీ ముస్లింలు .

.మానవ\దానవ\రాక్షస\గొబ్బగల\గూబరల\..కొంగొత్త ఆయుధాలకు సమిధలు

ఈ ఈ ఫిలీస్తీనీ ముస్లింల పిల్లలు \\\\\

నీతిలేని లోకమా\\\\

వలపే మహా అపరాధమా

నసారాల మాటలునీటిమూటలే

నీతిలేని లోకమా

\\\\\నసారలలా బతికే సిగ్గుయెగ్గులేని ముసిలిమానులపై పిడుగు పడుగాక\\\\\ఆమీన్\\\\\

**Nuetrons,Protons, and all Fringe particles are in constant motion ,collision course◯ ◯◯ ?/demotion affected effectively by selectvely elected conglomerate of fissionable-emotions of various Greko-Rumaany-ZwendAwesthe hues and colours entwined intricately in Goongaa Jhoomnaa Tehzeeby Tamaddan and of course a grand sense of belonging to a particular Schismatic Marzy Roghany Rougey _Buzrogy iconic,denomination of Dalleen Sosey wollencoatsoofeee softwared ,Technolgized fabricated in the great Majoosy lands of Daariooos,jerkyXerxes,Mageaanmagillan magicalmaggi fire of PadreNamkeen-MaadreTalkh _DukhtereTwofey_watan...AryaMohraZohraKohra,Dakaaraa,Pukaaraa,Baak aaraa,Bargandy Kontiki_men_hellbent on spreading PURE FASAAD in every nook and corner of the Ertz,Ardh,Earth,......with a lot of Nostalgic Analgesic Past ....but certainly a bleak future......They the Fireworshippers Love Aatish_so they are going to land in their favvy AAATISHY Abode _NAARU JAHANNAM...once for all..That is the crux of their Allamma_Ullemma_Matter_,**

**No matter what i blabber, ....Physical Matter can neither be created nor destroyed_of course it nay change from one to the other state_Solid,Liquid,Gaseous ...Tridentic Triad TeenTrishul Trayam Three... Eg.Water_ $H^2o$**

1_**Normally Liquid...**

2_**Frost,Ice,at Low Temparature....**

3_**Gas,Vapour at High Temerature +++Atmospheric Pressure...Who created all these Qudraty Forces.....**

**Ans: Say Allaahu...The AlMighty...Khaliqu Kulli Shyin....**

Look at the Vomity Comity of Notions,Uno,
Demonocratic Venom Spewing west...Created an Enormous human tragegdy in Palestine....even after 108 years Palestinian Muslims are suffering, More than 10,00,000 homes ,Mosques,Villages,Town,Cities of peaceful citizens have been BullDozed,,Lakhs of Muslims have been killed,Millions transformed into Refugees...killing and destruction of homes is the State sponsored Tyrranical Policy of the Culturally Vulturized blood thirsty ,Sadists since 110+ years......watching the inhuman Tragedies Gleefully on their Media ......are the gftl BananaLands....
.....Baitul Maqdis....Aqsa may go the Babar way.....The demon of God disLoyal_Qaabid_Disrael is working overtime in destruction,killings,murders and GENOCIDAL mayhem...spreading Fasaad...through Mossaaad....of late .this State sponsored Terror Technology is being exported to barre kabaaer....of course for a

**hefty Fee.**

**The latest score o2/03/2024////ALjazeera channel..the ACTUAL FIGURES ARE CERTAINLY MORE....MANY buried UNDER THE DEBRIS ....of 400,000 Houses/.Appartments../स्कूल्स/कॉलेजेस/**

हॉस्पिटल्स/हॉस्पिशियस/यूनिवर्सिटीज ,पब्लिक बिल्डिंग्स,**WAGHYRA.....**గాజాగాజుగడ్డ తాజాగా రక్తసిక్తమైపోయే,ఇళ్ళు అన్నీ నేలమట్టం.....**10,000,**బుల్లుడోజర్లు రేయింబవళ్ళు పరుగెడుతున్నాయి....ఆక్రమితం,! అన్యాక్రాంతం!, అమానుషం! వైద్యం అమేధ్యం!ఆఘోరం!! అపార అన్యాయం,అఖుంఠిత అమానుష అంతులేని దానవతాండవం, ఐనా నసారాయెదవయెహూదీలరాక్షసనరభక్షకరక్తపిపాస తీరలే \\\\\

**At least 30,320 Palestinians have been killed and 71,533 wounded in Israeli attacks on Gaza since October 7, Gaza's Health Ministry said on Saturday. It added that at least 92 of those were killed in the last 24 hours.**

\\\\\\\\

కలలు పండే కాలమంతా కనుల ముందే కదిలిపోయే..

లేతమనసుల చిగురుటాశలు.. పూతలోనే రాలిపోయే..

\\\\\\\\

జాలితలచి కన్నీరు తుడిచే దాతలే కనరారే..

చితికి పోయిన జీవితమంతా చింతలో చితి ఆయే..

\\\\\\\\

నీడ చూపే నెలవు మనకూ నిదుర(చావు)యేరా తమ్ముడా..

\\\\\\\\

హాయ్ రే దున్యా! హమ్ ప్యార్ కే భీ హక్ దార్ నహీ!

\\\\\\\\

**CONTINUED MILITARY FUNDING FOR ISRAEL AMID GAZA INVASION........**

**THE UNITED STATES IS BY FAR THE BIGGEST FUNDER OF THE ISRAELI MILITARY, PROVIDING MORE THAN $3BN IN AID ANNUALLY.,BESIDES FINANCIAL GRANTS ,AND MANY OTHER**

hidden concessions, Presently, US is sending an additional $14bn to support Tel Aviv's GENOCIDAL, నరసంహార\నరరూపరాక్షస,\నర్ర\operations in Gaza. Washington sent guided-missile carriers and F-35 fighter jets, as well as other military equipment to Tel Aviv in the immediate aftermath of Hamas's October 7 attacks on Israel, and Tel Aviv's subsequent declaration of war on the Gaza Strip. Some 68 percent of Israel's weapons imports between 2013 and 2022 came from the US.

Tel Aviv also relies on German weapon imports, primarily air defence systems and communications equipment. In total, Germany provides 28 percent of Israel's military imports, although that rose nearly tenfold between 2022 and 2023 after Berlin ramped up sales to Israel in November.

The United Kingdom, Canada, France and Australia among others also provide military support to Israel.

Many AMERICAN MULTINATIONAL SYNDICATES ALSO DONATE BILLIONS OF DOLLARS CONSTANTLY..every cigarette ,dresse,cosmetic,booze ,drug,medicine, is controlled by the yehudys.their profits propel the d-isrely war machine to make mincemeat of Palestinians ,besides the organs of Palestinians are harvested and exported to the NASAArAS of all continents,(there is great demand for LIVER,KIDNEY,EYEs,ENDOCRINES,LYMPHATICS,BLOOD,PLASMA,FOETUSES,

AND A HOST OF ORGANICS PRESENT IN THE BODY ,VACCINES ARE MADE FROM HUMAN CELL CULTURES BY THE DRUG CARTELS,,,,
\\\\\110 యేండ్లగా బలిపశువులు ఈ ఫిలీస్తీనీ ముస్లింలు .
.మానవ\దానవ\రాక్షస\గొబ్బల\గూబరల\..కొంగొత్త ఆయుధాలకు సమిధలు ఈ ఈ ఫిలీస్తీనీ ముస్లింల స్త్రీలూ,పిల్లలూ \\\\\
నీతిలేని లోకమా\\జీ.కడగని కంపుఆనకొండలారా!\పీతిలోపడ్డపైసాను నాలికతోగైకొనే మరవడ్డయెరవడ్డ బఖ్ఖాల లారా!రేపిస్టు,రేసిస్టు నసారాయెదవయెహూదులారా.!
వలపే మహా అపరాధమా
నసారాల మాటలునీటిమూటలే
నీతిలేని లోకమా.

Al-Maaida (5:51)

بسم الله الرحمن الرحيم

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ لَا تَتَّخِذُوا۟ ٱلْيَهُودَ وَٱلنَّصَٰرَىٰٓ أَوْلِيَآءَ بَعْضُهُمْ أَوْلِيَآءُ بَعْضٍ وَمَن يَتَوَلَّهُم مِّنكُمْ فَإِنَّهُۥ مِنْهُمْ إِنَّ ٱللَّهَ لَا يَهْدِى ٱلْقَوْمَ ٱلظَّٰلِمِينَ

O you who believe! Take not the Jews and the Christians as Auliya' (friends, protectors, helpers, etc.), they are but Auliya' to one another. And if any amongst you takes them as Auliya', then surely he is one of them. Verily, Allah guides not those people who are the Zalimun (polytheists and wrong-doers and unjust).

ऐ ईमान लानेवालो! तुम यहूदियों और ईसाइयों को अपना मित्र (राज़दार) न बनाओ। वे (तुम्हारे विरुद्ध) परस्पर एक-दूसरे के मित्र है। तुममें से जो कोई उनको अपना मित्र बनाएगा, वह उन्हीं लोगों में से होगा। निस्संदेह अल्लाह अत्याचारियों को मार्ग नहीं दिखाता //the-quran./5/51

Al-Mumtahana (60:1)

يَٰٓأَيُّهَا ٱلَّذِينَ ءَامَنُوا۟ لَا تَتَّخِذُوا۟ عَدُوِّى وَعَدُوَّكُمْ أَوْلِيَآءَ تُلْقُونَ إِلَيْهِم بِٱلْمَوَدَّةِ وَقَدْ كَفَرُوا۟ بِمَا جَآءَكُم مِّنَ ٱلْحَقِّ يُخْرِجُونَ ٱلرَّسُولَ وَإِيَّاكُمْ أَن تُؤْمِنُوا۟ بِٱللَّهِ رَبِّكُمْ إِن كُنتُمْ خَرَجْتُمْ جِهَٰدًا فِى سَبِيلِى وَٱبْتِغَآءَ مَرْضَاتِى تُسِرُّونَ إِلَيْهِم

بِٱلْمَوَدَّةِ وَأَنَا۠ أَعْلَمُ بِمَآ أَخْفَيْتُمْ وَمَآ أَعْلَنتُمْ وَمَن يَفْعَلْهُ مِنكُمْ فَقَدْ ضَلَّ سَوَآءَ ٱلسَّبِيلِ

O you who believe! Take not My enemies and your enemies (i.e. Yehooood,Nasaaraaa,disbelievers and polytheists, etc.) as friends, showing affection towards them, while they have disbelieved in what has come to you of the truth (i.e. Islamic Monotheism, this Quran, and Muhammad SAW), and have driven out the Messenger (Muhammad SAW) and yourselves (from your homeland) because you believe in Allah your Lord! If you have come forth to strive in My Cause and to seek My Good Pleasure, (then take not these disbelievers and polytheists, etc., as your friends). You show friendship to them in secret, while I am All-Aware of what you conceal and what you reveal. And whosoever of you (Muslims) does that, then indeed he has gone (far) astray, (away) from the Straight Path.

ऐ ईमान लानेवालो! यदि तुम मेरे मार्ग में जिहाद के लिए और मेरी प्रसन्नता की तलाश में निकले हो तो मेरे शत्रुओं और अपने शत्रुओं को मित्र न बनाओ कि उनके प्रति प्रेम दिखाओं, जबकि तुम्हारे पास जो सत्य आया है उसका वे इनकार कर चुके है। वे रसूल को और तुम्हें इसलिए निर्वासित करते है कि तुम अपने रब - अल्लाह पर ईमान लाए हो। तुम गुप्त रूप से उनसे मित्रता की बातें करते हो। हालाँकि मैं भली-भाँति जानता हूँ जो कुछ तुम छिपाते हो और व्यक्त करते हो। और जो कोई भी तुममें से भटक गया

://the-quran./60/1

Al-Baqara (2:120)

وَلَن تَرْضَىٰ عَنكَ ٱلْيَهُودُ وَلَا ٱلنَّصَـٰرَىٰ حَتَّىٰ تَتَّبِعَ مِلَّتَهُمْ قُلْ إِنَّ هُدَى ٱللَّهِ هُوَ ٱلْهُدَىٰ وَلَئِنِ ٱتَّبَعْتَ أَهْوَآءَهُم بَعْدَ ٱلَّذِى جَآءَكَ مِنَ ٱلْعِلْمِ مَا لَكَ مِنَ ٱللَّهِ مِن وَلِىٍّ وَلَا نَصِيرٍ

Never will the Jews nor the Christians be pleased with you (O Muhammad Peace be upon him) till you follow their religion. Say: "Verily, the Guidance of Allah (i.e. Islamic Monotheism) that is the (only) Guidance. And if you (O Muhammad Peace be upon him) were to follow their (Jews and Christians) desires after what you have received of Knowledge (i.e. the Quran), then you would have against Allah neither any Wali (protector or guardian) nor any helper.

न यहूदी तुमसे कभी राज़ी होनेवाले है और न ईसाई जब तक कि तुम अनके पंथ पर न चलने लग जाओ। कह दो, "अल्लाह का मार्गदर्शन ही वास्तविक मार्गदर्शन है।" और यदि उस ज्ञान के पश्चात जो तुम्हारे पास आ चुका है, तुमने उनकी इच्छाओं का अनुसरण किया, तो

अल्लाह से बचानेवाला न तो तुम्हारा कोई मित्र होगा और न सहायक
//the-quran.r/2/120

▀▀ ▀▀ ▀▀▀ ▀ ▁

\\\\\\\\\\\\ఇంతైనా దైవాజ్ఞలను కాలరాచి,తౌబఃచేసుకోని,గెడ్డాలుగీసి,కోసి,నసారలలా బతికే సిగ్గుయెగ్గులేని జెర్కిన్,సఫారీసూటు,బూటు,హేటు,వైన్,విస్కీ,సిగార్, డాగీ,కేట్,రేట్,కాటరాక్టు, మైఓపిక్,అస్టిగ్మేటిక్,ఫిర్ఔనీ,అన క్రానిక్,నామమాత్రపు,,రేసిస్టువుద్దూప్రేమీ50:50, ముసిలిమానులపై పిడుగు పడుగాక\\\\\\\\

తండ్రిపేరుతెలియని తనయులు,రండముండకోమర నసారా,కిబ్బుట్జీkibbutz, మోసగాళ్ళమొస్సాదీకేటు,యెహూదీ,బుల్షిట్ట్ రాల్లరప్పలబుల్లయ్యలను దేవుడు ఈనేలపైనే రాచిరంపానబెట్టి, అతలాకుతలం జేసి, భస్మంచేయుగాక,\\

,\\యా వాసిఅల్ మగ్ఫిరతి!యా హయ్యు యా కయ్యూము! యా అర్హమర్రాహిమీన !\\

ఇర్హమ్! ముస్లిమీన వఅల్ ముస్లిమాత్ అల్లదీన కుతిలూ ఫీ కుల్లి అహ్యాయిన్ బిగైరి హక్కిన్,వగ్ఫిర్ లహుమ్,వర్హమ్ హుమ్,వద్ఖిల్ హుముల్ జన్నతః....\\\\ఆమీన్\\\\యా రఅబ్బుల్ ఆలమీన\\\\

త్సుమ్మ అమీన్!\\\\

▀▀ ▀▀ ▀▀▀ ▀ ▁

Al-Burooj (85:10)

إِنَّ ٱلَّذِينَ فَتَنُوا۟ ٱلْمُؤْمِنِينَ وَٱلْمُؤْمِنَٰتِ ثُمَّ لَمْ يَتُوبُوا۟ فَلَهُمْ عَذَابُ جَهَنَّمَ وَلَهُمْ عَذَابُ ٱلْحَرِيقِ

Verily, those who put into trial the believing men and believing women (by torturing them and burning them), and then do not turn in repentance, (to Allahﷻ), will have the torment of Hell, and they will have the punishment of the burning Fire.

जिन लोगों ने ईमानवाले पुरुषों और ईमानवाली स्त्रियों को सताया और आज़माईश में डाला, फिर तौबा न की, निश्चय ही उनके लिए जहन्नम की यातना है और उनके लिए जलने की यातना है
/the-quran.app/r/85/10
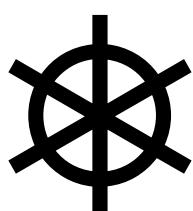
**800 SALON KA TAWEEL ARSE ME ,TABLEEGH KA ICON ISTEAMAAL HOTAA RAHAA,MAGAR AFSAUOS! +OFF COURSE/TABLEEGH NAAM KI CHEEZ NAHI, SIRF SARPE TOPI BACHA...dalchaa ka handi ke sangaath.....dewilbontha ke gharmon me... Laung Live TapLeaky TabLeagues.**

**మేరా జూతా హై జాపానీ**

**యే పత్లూన్(+జెర్కిన్)యెంగిలిస్తానీ,**

**మేరాజిగ్రీదోస్తుG5/iFoneమెరికస్తానీ**

**సర్పే *లాల్ టోపీ రూసీ**

**ఫిర్ భీ దిల్ హైకిందమీదిబుస్తానీ,**

****కాలానుగుణంగా,యేయెండకాగొడుగన్నరీతిలో ,బతికుంటే బలుసాకేతినాలనే-ఆకుపచ్చ వులువలను త్వరత్వరగాసవిసర్జించి -కాసాయరంగుకుబుసాలను ధరించేరట ఈ గోడమింద,పిల్లి వాటుపు విశ్వాసబేహార , Rauwolfia Serpentina సర్పతేలుకొండి Echinaecio-Lachesisio-Bacillinum Coli ముల్లంగి ముల్లులు-ముందున్నది షాక్-సెప్టిసేమియా-సెప్టిక్షాక్,***

**.....jiye..bagarakhanaa,marqadi sleep.,markozi doze off, amberpet ka 6number,free boarding and lodging +ecomomical loWcost TOURISM.....galiyon me bullish gushty khusty......at wrong times....**

**DEKH TERE INSAAN KI HAALATH KYAA HOGAYI**

**ALLAAH/KITANAA BADAL GAYAA HAI _HAI _HAI _WAAN**
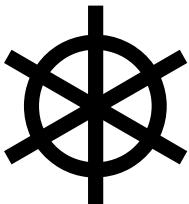
# ఇగ వెజిటేరియనుల భోజ్యభోగంకత.....

భోజరాజ కాళిదాసుల కథల్లో :

........ముందు నీళ్లు కారుతూన్న మాంసాన్ని చంకన చెట్టుకు పోతున్న ఒక సన్న్యాసి భోజరాజకి కనబడ్డాడు.

అప్పుడు భోజరాజుకీ, ఆ సన్న్యాసికీ జరిగిన సంభాషణ ఈ శ్లోకం :

\\\\"*భిక్షో ! మాంస నిషేవణం కి ముచితం?" \\\\
భోజ: నువ్వు చూడబోతే పరివ్రాజకుడివి. మాంసాహారం నీకు తగునా ?

\\\\తేన మద్యం వివా?\\\\
సన్న్యాసి : పక్కన మద్యం కూడా ఉంటేనే దీని మజా!

\\\\\"మద్యం చావీ తన పియం ?" \\\\
భోజ: ఏమిటి? మద్యపానం అలవాటు కూడా ఉందా నీకు?;
\\\\"పియ మహో వారాంగవాభి నృహ" \\\\
సన్న్యాసి : ఒంటరిగా మద్యం తాగడంలో హుషారేం ఉంది? వారాం గనలతో కలిసి తాగాలి!
\\\\\ "వారత్రీ రతయే కుత స్గవ ధనం ?" \\\\
భోజ: _ వారాంగనల దగ్గరికి వెళ్లడానికి డబ్బెక్కడిది నీకు?
\\\\\""ద్యూలేవ చౌర్యేబ వా"\\\\
సన్న్యాసి : జూదం అడి కాని, కన్నం వేసి కాని సంపాదిస్తాను.
\\\\\"చార్య ద్యూత వరిశ్రమోబపి భవళాం?"\\\\
భోజ: చౌర్యానికీ, జూదానికీ కూడా దిగజారా వన్న, మాట?
\\\\\"భష్టన్య కా వా గతి;;\\\\
సన్న్యాసి : భష్టుడై నవాడు మరేం చేస్తాడు ?;\\\\\
\\\ కథ\కంచికీ మనంఇంటికీ\\\\

\\\\\\
రాజసూయయాగం, అశ్వమేధయాగాలు చేసిన వీరులు ఆయా జంతుమాంసాలను పారేశారు??????

ముడ్డి సరిగ కడగని ఫరీసతుల్ ఫితన
**-Suit,Boot,Coat,hat.bat,Cigar,**
తెల్లదొరలు-
**%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%**
**Fishing in troubled waters** వీళ్ల హాబీ-గిల్లికజ్జాలు పెట్టించి **divide and rule** చేసి తమ-**hegemony** ఖాయంజేసుకొంటారు-యుద్ధం **+** ఆయుధాలు వీళ్ల బిజినేస్సు-యెప్పుయెక్కడో ఇతరుల \జీ\లలో,ముడ్డిలో వేలో/పుల్లనో/ కట్టెనో దోపి,కెలికికులుకుతుంటారు-( లేటస్టు-ఉక్రేయిను-రూసియా**109**యేండ్లుగా గాజాలో నిరంతరం నరమేధం,**\Since of 1914-)**
**%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%**
డ్రగ్గిస్సెండికేట్లూ,మందులమాఫియాలూ,నల్లధందాలూ,అన్ని **black deeds ** కాలేకర్తూతేః..వీళ్ళవే,
వీళ్ళ అరాచక,కీచక,అన్యాయాలకు..బలియై
**600**సంవత్సరాలుగా భూదేవి అలమటింస్తూ,ఆక్రోసిస్తూఉందే,
**%%%%%%%**

ఓరియంటల్ వైద్య\హకీముల,మందుల నుండీ, మందు చెట్ల రసం కాకుండా-ఆ రసంలోని ముఖ్యాంశాన్ని వేరుచేసి కొత్తపేర్లతో **Drug industry** ని **start** జేసిరి-
యెన్నో మందులు పందులూ,ఆవులూ,యెద్దులూ-దున్నపోతులూ, దానవభ్రూణహత్యతో చంపడిన మానవశిశువుల అవయవ కణాలు-వగైరాల నుండి సేకరిస్తారు-**Insulin,Oxytocin,Thyroidin,Androgens, Oestrogens,Harmonal extracts,**లాంటి వన్నీ
పంది,గుర్రం,గోమాత-గోపితా,**animal featuses,,,**లాంటిజంతువుల జీవపదార్థాలే-
**Generally, some examples of animal hormones are insulin, thyroxine, serotonin, estrogen, progesterone, testosterone, etc. while some examples of plant hormones are auxin, cytokinin, gibberellin, abscisic acid, etc..**

**%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%%**

నేనెలాశాఖాహారిగామారితినో**?**

by—తీపిగురుతుల-ఫియతిపురుగు
పుట్టి పెరిగింది carnivorous family లోనే-మా తాత ముత్తాతలందరూ చియ్యలరాయుళ్ళే-అంటే మాంసాహారులే-ఐతే నాకేంరోగంతగిలిందో మాంసం అంటే కడుపు తిప్పేది-చియ్యలు తినను-
ఇగ మా పెద్దల సంగతి - వాళ్ళు బల్లాలూ,బాణాల గైకొని యాటకు పోయేవారట–తీరిక యాలల్లో బాకరాపేట,తలకోన, గుట్టపాళెం,వలిగెట్ల, వల్లివీడు,పెంచుపాడు -ఇంకాయెన్నో అడవులకు ఒక గ్రూపుగ బోయి యేటాడేవాళ్ళట-ఆరోజులలో జంతువులు బాగా దొరికేవట-తెల్లదొరలరాజ్యం —వాల్లేమీ పట్టించుకొలేదట-ఫారెస్టు గార్డులకు మామూలు చెల్లించితే సాలు-ఆర్నెల్లకోసారి మాఇండ్లకొచ్చి వడ్ల మూటలు లంచంగా కొడుపోయేవారట-అట్లా మొత్తానికి యేదో ఒగటి—జింకనో,కణితినో,దుప్పినో ,కొండ్రంబోతునో పట్కొచ్చి వూర్లో అందరికీ యిందు బోజనం తినిపించేవాళ్ళట-
వాళ్ళ మధ్యలో నేనో అనక్రానిక్ వెజిటేరియన్ వేరియంటును -వాళ్ళ కడుపున చెడబుట్టానట-
+*+*+&+*+*+*+*+*+*+*+*
మాయబ్బకు కలికిరినుండి మదనపల్లికి బదిలీ ఆయే-గట్లాటౌనులోచేరితి.∴. మొదటిసారి.∴.జోతీటాకీసులో పెద్దోళ్ళతో కలిసి గులేబఖావలీ-సిలిమా గూడజూస్తి
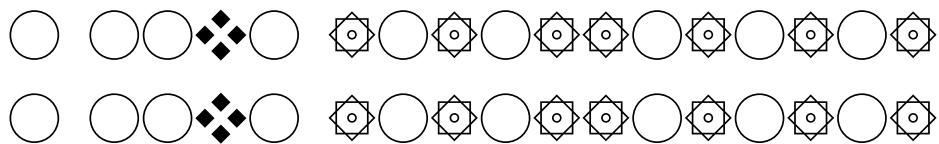
**Quantum Physics......The Devastating_ ...Shytaany_Satanic Effect......in the ever expanding universal Mass_ Nuetrons,Protons, and all Fringe particles are in constant motion ,collision course○ ○○ ?/demotion affected effectively by selectvely elected conglomerate of fissionable-emotions of various Greko-Rumaany-ZwendAwesthe hues and colours entwined intricately in Goongaa Jhoomnaa Tehzeeby**

**Tamaddan and of course a grand sense of belonging to a particular Schismatic Marzy Roghany Rougey _Buzrogy iconic,denomination of Dalleen Sosey wollencoatsoofeee softwared ,Technolgized fabricated in the great Majoosy lands of Daariooos,jerkyXerxes,Mageaanmagillan magicalmaggi fire of PadreNamkeen-MaadreTalkh _DukhtereTwofey_watan...AryaMohraZohraKohra,Dakaara a,Pukaaraa,Baakaaraa,Bargandy Kontiki_men_hellbent on spreading PURE FASAAD in every nook and corner of the Ertz,Ardh,Earth,......with a lot of Nostalgic Analgesic Past ....but certainly a bleak future......They the Fireworshippers Love Aatish_so they are going to land in their favvy AAATISHY Abode _NAARU JAHANNAM...once for all..That is the crux of their Allamma_Ullemma_Matter_,**

**No matter what i blabber, ....Physical Matter can neither be created nor destroyed_of course it nay change from one to the other state_Solid,Liquid,Gaseous ...Tridentic Triad TeenTrishul Trayam Three...**

**Eg.Water_ $H^2o$**

1_**Normally Liquid...**

2_**Frost,Ice,at Low Temparature....**

3_**Gas,Vapour at High Temerature +++Atmospheric Pressure...Who created all these Qudraty Forces.....**

**Ans: Say Allaahu...The AlMighty...Khaliqu Kulli Shyin....**